RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 127 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 19 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

एक दिन पहले छुट्टी से लौटे जवान ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सीआरपीएफ के जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सीआरपीएफ का जवान एक दिन पहले ही छुट्?टी से लौटा था । जवान बारसूर स्थित 195 हेड क्वाटर में पदस्थ था। घटना शनिवार रात की है। रात करीब 10 बजे जवान ने अपनी सर्विस राइफ्ल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक का जवान का नाम गुनीद दास असम का रहने वाला था।

मिली जानकारी के अनुसार बारसूर में सीआरपीएफ के जवान ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। एक दिन पहले की जवान छुट्?टी से लौटा था और इस तरह का आत्मघाती कदम उठा लिया। जब उसने खुद को गोली मारी तो साथी जवान मौके पहुंचे। तब उसकी सांस चल रही थी। उसे एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी। फ्लिहाल घटना की जांच की जा रही है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट : टॉस जीतकर लगातार दूसरा टेस्ट हारा ऑस्ट्रेलिया

जडेजा-अश्विन के आगे पस्त हुए कंगारू

नईदिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में भारत ने आस्ट्रेलिया को ढाई दिन में हरा दिया है। टॉस जीतकर आस्ट्रेलिया लगातार दूसरा टेस्ट मैच हार गई। पहली पारी में एक रन की बढ़त लेने के बाद दूसरी पारी में आस्ट्रेलिया की पूरी टीम तीसरे दिन लंच से पहले ही 113 रनों पर सिमट गई। भारतीय टीम को 115 रनों का लक्ष्य मिला जिसे टीम ने चार विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। इसके साथ ही भारत इस टेस्ट सीरीज में 2-0 की बढ़त ले चुका है।

इससे पहले तीसरे दिन का खेल शुरू होने के बाद भारतीय स्पीनर जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। कंगारू टीम दूसरे दिन के स्कोर 61/1 से आगे खेलना शुरू किया। पूरी कंगारू टीम दूसरी पारी में 113 रन पर ऑलआउट हो गई है। ट्रेविस हेड व मार्नस लाबुशेन 43-43 रन बनाकर आउट हुए। टीम के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने 7 विकेट चटकाए। इस सीरीज में जडेजा ने

दूसरी बार 5 या फिर उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। रविचंद्रन अश्विन को भी तीन सफ्लताएं मिलीं।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 263 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 262 रन पर ऑलआउट हुई। मेहमान टीम को पहली पारी पर 1 रन की बढ़त मिली थी। एक टेस्ट के दूसरे दिन एक समय ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पाएगी लेकिन अक्षर पटेल व रविचंद्रन अश्विन ने शतकीय साझेदारी कर टीम को संकट से उभारा। पहली पारी में 1 रन की बढ़त लेने के बाद आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी की सदी हुई शुरुआत की। तीसरे दिन का खेल शुरू होते ही भारती स्पीनर अश्विव व रविन्द्र जडेजा की जोड़ी ने कंगारूओं को संभलने का मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 53 रन बनाने में 9 विकेट गंवा दिए।

115 रनों का मिला था टारगेट

आस्ट्रेलिया की टीम ने भारतीय टीम को 115 रनों का लक्ष्य दिया। केएल राहुल का विकेट जल्द गिरने के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ताबड़तोड बल्लेबाजी की। 31 रन के स्कोर पर वे रन आउट हो गए। इसके बाद क्रीज पर आए विराट कोहली ने चेतेश्वर पुजारा के साथ मिलकर अच्छी बल्लेबाजी की। विराट कोहली 20 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद चेतेश्वर पुजारा ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर टीम को आगे बढ़ाया। श्रेयर अय्यर 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आए शिखर भरत ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। टीम इंडिया ने आस्ट्रेलिया को 6 विकेट के अंतर से हरा दिया। भारतीय टीम 4 विकेट खोकर 118 रन बनाए। चेतेश्वर पुजारा ने जीत का चौका लगाया। चेतेश्वर पुजारा 31 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके साथ भारतीय टीम का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलना लगभग तय हो गया है।

नाम और चुनाव चिन्ह के लिए 2000 करोड़ की डील, संजय राउत का दावा सबूतों के साथ जल्द करेंगे खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना पार्टी के नाम और उसके धनुष और तीर के चिन्ह को खरीदने के लिए 2000 करोड़ रुपये की डील हुई है। हालांकि, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले खेमे से विधायक सदा सर्वंकर ने दावे को खारिज कर दिया और पूछा क्या संजय राउत कैशियर हैं?

मुझे सत्तारूढ़ दल के करीबी एक बिल्डर ने दी जानकारी: राउत

राउत ने एक ट्वीट में दावा किया कि 2,000 करोड़ रुपये एक प्रारंभिक आंकड़ा था और यह 100 फीसदी सच था। उन्होंने पत्रकारों को यह भी बताया कि सत्तारूढ़ दल के करीबी एक बिल्डर ने उनके साथ यह जानकारी साझा की। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उनके दावे के समर्थन में सबूत हैं, जिसका खुलासा वह जल्द करेंगे।

शिवसेना और तीर कमान पर जंग, चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा उद्धव गुट

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना का नाम व तीर कमान निशान छिन जाने के बाद उद्धव गुट में हलचल मच गई है। चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला गुट अब सुप्रीम कोर्ट जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार उद्धव गुट की ओर से आज ही ऑनलाइन अर्जी लगाकर सुप्रीम कोर्ट से कल अर्जेंट सुनवाई की गुहार लगाई जाएगी। इसमें चुनाव आयोग के आदेश में तथ्यों

को लेकर हुई गलतियों को आधार बनाया जाएगा।

बता दें शिवसेना का नाम और चुनाव निशान चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया था। चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर दिया था। अब उद्धव ठाकरे गुट ने भी सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर लिया है। शिंदे गुट की कैविएट के जवाब में उद्धव गुट की ओर से आज ही ऑनलाइन अर्जी दाखिल की जाएगी।

उद्धव ठाकरे गुट निर्वाचन आयोग के आदेश को दोषपूर्ण बताते हुए इस पर स्टे लगाने की गुहार सुप्रीम कोर्ट से करेगा। उद्धव ठाकरे गुट का ये भी कहना है कि उसे आधार और आंकड़ों में क्यों नहीं शामिल किया गया? आखिर वो वोट भी तो जनता ने ही दिए थे। इसके अलावा भी कई ऐसे तकनीकी बिंदु और कानूनी पेंच हैं जिनको अर्जी का आधार बनाया गया है।

चट्टान की तरह खड़े रहे शाह', शिवसेना का नाम-चुनाव चिह्न मिलने के बाद बोले सीएम शिंदे

शिवसेना में बीते साल हुई टूट के बाद चुनाव आयोग ने हाल ही में पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को सौंप दिया है। इसी के साथ महाराष्ट्र में बीते कई दिनों से जारी असली शिवसेना-नकली शिवसेना के विवाद पर ब्रेक लग गया। हालांकि, उद्धव ठाकरे गुट ने चुनाव आयोग के इस फैसले पर आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है, उन्होंने इसे शिवसेना के नाम और निशान की चोरी करार दिया है। अब इस पूरे विवाद पर पहली बार महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे का बयान आया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक कार्यक्रम में शिंदे ने पूरे घटनाक्रम को लेकर अपनी बात रखी। शिवसेना में अपने समर्थन वाले विधायकों को तोड़कर महाराष्ट्र में भाजपा के समर्थन वाली सरकार बनाने को लेकर एकनाथ शिंदे ने बयान दिया। उन्होंने अमित शाह की मौजूदगी में उनकी तारीफ करते हुए कहा, अमित शाह जी ने मुझे कहा था, शिंदे जी आप आगे बढ़ें। हम एक चट्टान की तरह आपके पीछे खड़े रहेंगे। शाह जी ने जो कहा था, वही किया।

एजुकेशन फ्रेंडली माहौल में बच्चों को मिल रहा निखरने का मौका

आर्थिक अभाव नहीं बन रही बाधा मिल रही बच्चों को अच्छी शिक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल बन रहा है। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई अंग्रेजी स्कूलों की श्रृंखला से जिला मुख्यालयों और विकासखंड स्तर पर बड़ी संख्या में गरीब और कमजोर वर्ग के प्रतिभावान बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। बहुत ही कम समय में इन स्कूलों में लोकप्रियता हासिल कर ली है। राज्य सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम के साथ-साथ हिन्दी माध्यम के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ किए जा रहे हैं। इन स्कूलों में विश्व स्तरीय सुविधाएं मौजूद हैं।

प्रदेश में 247 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल और हिंदी माध्यम के 32 स्कूल संचालित हैं, वहीं आगामी शिक्षण सत्र से 422 स्कूलों का संचालन किया जाना भी प्रस्तावित है। नये प्रस्तावित स्कूलों में सरगुजा और बस्तर संभाग के 252 स्कूल शामिल होंगे, ताकि सुदूर अंचलों एवं पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कर सके। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की सफ्लता को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा आगामी शैक्षणिक सत्र से अंग्रेजी माध्यम कॉलेज प्रारंभ करने का भी निर्णय लिया गया है।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों की लोकप्रियता का अंदाजा मुख्यमंत्री के भेंट-मुलाकात कार्यक्रमों के दौरान इन स्कूलों की मांग और इन स्कूलों में पढ़ने वाले फर्राटेदार अंग्रेजी से लगाया जा सकता है। इन स्कूलों के प्रारंभ होने से गरीब और कमजोर तबके के प्रतिभावान बच्चों के पालकों को निजी स्कूलों की महंगी फीस से काफी राहत मिली है। इन स्कूलों में नाममात्र की फीस पर अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा के साथ-साथ् विश्व स्तरीय सुविधाएं, बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल रहा है।

राज्य सरकार द्वारा इन स्कूलों को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान छात्रों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों से पीछे न रहे। सभी अंगेजी माध्यम और हिन्दी माध्यम स्कूलों में सीबीएससी का पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

गौरतलब है कि 03 जुलाई 2020 को प्रदेश में स्वामी आत्मानंद स्कूल की सबसे पहले शुरूआत हुई थी। योजना के अंतर्गत प्रारंभ हुए 247 स्कूलों में लगभग ढ़ाई लाख बच्चे अध्ययनरत हैं। इन स्कूलों में अत्याधुनिक लाइब्रेरी, लैंग्वेज लैब, कम्प्यूटर और साइंस लैब के साथ ही टेनिस और बैडमिंटन सहित विभिन्न खेलों की सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी है।

हत्या के 20 दिन पहले कराया 16 लाख का बीमा चाकू से किए कई वार, अवैध संबंध में बन रही थी बाधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद में एक अधेड़ ने उसके अवैध संबंधों में रोड़ा बन रही पत्नी की हत्या कर दी। फिर वहां से भाग निकला। हत्या से 20 दिन पहले आरोपी ने पत्नी का 16 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस भी कराया था। इसके बाद रात के अंधेरे में घर में घुसकर चाकू से गोद डाला। पुलिस ने करीब दो साल बाद मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम बम्हनी निवासी संतोषी बाई (50) पत्नी परमानंद यादव का शव 26 मार्च 2021

को उसके ही घर में मिला था। पुलिस पूछताछ में परमानंद ने बताया था कि वह वारदात के समय महासमुंद गया था। वहां से अपने भाई के साथ लौटा तो घर में पत्नी का शव मिला। काफी लंबे समय से मामले का खुलासा नहीं होने पर एसपी ने टीम बनाई और संतोषी बाई से संबंधित छोटी-छोटी जानकारी एकत्र करने के लिए कहा।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि परमानंद का गांव की ही एक अन्य महिला से अवैध संबंध है। इसकी जानकारी संतोषी बाई को लगी तो वह परमानंद को मना करती थी। इसके चलते दोनों के बीच अक्सर विवाद भी होता था। संदेह के आधार पर पुलिस ने परमानंद को हिरासत में ले लिया और उससे पूछताछ की। पहले तो वह इनकार करता रहा, लेकिन पुलिस ने जब सख्ती की तो उसने हत्या की बात स्वीकार ली।

वारदात वाले दिन आरोपी परमानंद सहकारी बैंक महासमुंद में ड्यूटी करने गया। शाम को जब वह गांव लौटने लगा तो सड़क किनारे अंधेरे में बाइक खड़ी कर दी। फिर घर में गया। उस समय संतोषी बाई खाना बना रही थी। तभी आरोपी परमानंद ने जेब से चाकू निकाल संतोषी पर एक के बाद एक कई वार कर दिए। फिर वहीं पड़े गमछे से हाथ और चाकू पोछा और पीछे के दरवाजे से भाग निकला।

रोज के झगड़े से परेशान वारदात को दिया अंजाम

आरोपी परमानंद ने पुलिस का बताया कि रोज-रोज के झगड़े से परेशान होकर उसने संतोषी की हत्या की साजिश रची। इस बीच उसे एक एलआईसी एजेंट से पता चला कि अगर टर्म लाइफइंश्योरेंस लिया है और उस व्यक्ति की मौत हो जाती है, तो पैसा नॉमिनी को मिलता है। इस पर परमानंद ने हत्या से 20 दिन पहले आठ-आठ लाख रुपये के दो टर्म प्लान संतोषी बाई के नाम से ले लिए। इसमें खुद को नॉमिनी बनाया।

कांग्रेस की हालत हस्तिनापुर के महारथियों जैसी

श्रीकंचनपथ

कांग्रेस की जो हालत आज है, उसे देखकर बरबस हस्तिनापुर की याद ताजा हो जाती है। महाभारत काल में हस्तिनापुर का राजदरबार सर्वाधिक सुसज्जित दरबार था। धृतराष्ट्र, गंगापुत्र भीष्म, आचार्य द्रोण सहित एक से बढ़कर एक महारथी और ऋषि इस दरबार की शोभा बढ़ाते थे। मगर यह एक जाती हुई पीढ़ी थी जो अप्रासंगिक हो चुकी थी। नया दौर, हठी युवा राजकुमार दुर्योधन का था। मामा शकुनी चाभी भरते थे। इस आक्रामकता का अंत कैसे हुआ, यह किसी से छिपा नहीं है। इस युद्ध में पाण्डव किसी तरह सुरक्षित रहे तो केवल भगवान श्रीकृष्ण के कारण जो सारथी बनकर इनका मार्गदर्शन करते रहे। स्थितियां आज भी बहुत ज्यादा नहीं बदली हैं। सच्चाई आज भी सीधी-सादी है और झूठ बेहद आकर्षक। इसमें सच्चाई की फीकी कथाएं नहीं हैं। इसमें कूटरचित रंग-बिरंगी कहानियां हैं। यह भी एक तरह का दर्शन है। बेचना आए तो मिट्टी, चाय, यहां तक कि योग को भी बेचा जा सकता है। जमाना मार्केटिंग विशेषज्ञों का है जो जरूरतें पैदा करने में महारत रखते हैं। पिछले 500-700 साल का इतिहास खंगाल कर चतुरों ने उसमें से छांट-छांट कर कुछ किस्सों को इकट्ठा किया। इनके प्रसंगों को या तो विस्मृत कर दिया या बदल दिया। इसका एकमात्र उद्देश्य इतिहास का एक ऐसा चेहरा दिखाना था जो युवाओं को भ्रमित कर सके। युवा यह तक न देख सके कि जो लोग परिवारवाद का विरोध करते हैं, वे ही लोग सनातन की बातें भी करते हैं। यदि सनातन व्यवस्था नहीं होती तो अंधे धृतराष्ट्र को राजा बनाने की मजबूरी न होती। यदि सनातन व्यवस्था न होती तो भरत को राजा बनाने के लिए राम को बनवास देने की जरूरत भी नहीं होती। दरअसल, सनातन और परिवारवाद एक दूसरे के पर्यायवाची हैं। आधुनिक शिक्षा के आने से पहले तक बालक अपने पिता से ही हुनर सीखते थे और बालिकाएं अपनी माता से। किसान का बेटा किसान, राजा का बेटा राजा, सुतार का बेटा सुतार और बढ़ई का बेटा बढ़ई होता था। आधुनिक शिक्षा ने इसमें व्यवधान उत्पन्न किया। लोग अपनी-अपनी पसंद का विषय पढ़ने लगे। पारिवारिक विशेषज्ञता जाती रही। औद्योगिक क्षेत्रों में लोग किसी तरह गणित विषय के साथ हायर सेकण्डरी और फिर आईटीआई, पालिटेक्नीक या इंजीनियरिंग करने लगे। संपन्नों के बच्चे डाक्टर या वैज्ञानिक बनने की चाह के साथ विज्ञान पढ़ते रहे। शेष बच्चे कला के क्षेत्र में पढ़ाई कर शिक्षक आदि बनने लगे। इसका एकमात्र लक्ष्य नौकरी प्राप्त करना था। वर्ण व्यवस्था हाशिए पर आ गई। ब्राह्मण और क्षत्रियों की बेटियां नाई का काम सीखने लगीं। अब वे महिलाओं के नाखून तराशती हैं, बाल काटती हैं। वे ब्यूटीशियन कहलाती हैं और उनकी दुकानों को पार्लर कहते हैं। जब दुनिया इतना आगे निकल आई है तब पीछे सनातन में लौटने की बातें हो रही हैं। लोग मान भी रहे हैं। जाहिर है उन्होंने कभी विषय को गंभीरता से समझा ही नहीं है। वो तो केवल हंगामे के साथ हैं।

संपादकीय

आदिमयुगीन बर्बरता

राजस्थान के दो भाइयों के अपहरण, मारपीट और फिर उनको जिंदा जलाने की दिल दहला देने वाली घटना ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। पीड़ित परिवारों ने हत्या का आरोप गौ-रक्षकों व एक अतिवादी हिंदू संगठन तथा सीआईए पर लगाया है। बताया जा रहा है कि इनमें से एक भाई पर गौ तस्करी के कई मामले दर्ज रहे थे, लेकिन इसके बावजूद किसी को कानून अपने हाथ में लेने और अमानवीय कृत्य करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हालांकि, घटना की हकीकत व अपराधियों के कृत्य की वास्तविकता निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगी लेकिन घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी सख्त शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। यह घटना निश्चित तौर पर सांप्रदायिक तल्खी का वाहक बनेगी। इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है, लेकिन पुलिस प्रशासन का दायित्व बनता है कि मामले में तत्परता के साथ तार्किक जांच को अंजाम दिया जाये, जिससे तंत्र के प्रति पीड़ित पक्ष का विश्वास बना रहे। इसमें दो राय नहीं कि यह घटना किसी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है और आदिमयुगीन बर्बरता को ही दर्शाती है। 21वीं सदी के भारत में कानून हाथ में लेकर निर्ममता से किसी की जिंदगी को छीनना दुखद है। कृत्य कानून व्यवस्था के रखवालों पर सवाल उठाता है। इस मामले में कथित गौरक्षकों व संगठन विशेष से जुड़े हरियाणा के रहने वाले लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन पीड़ितों के परिजनों ने क्राइम इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी पर भी गंभीर आरोप लगाये हैं। निस्संदेह, यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जायेगी कि जिन पर कानून व्यवस्था को बनाये रखने का दायित्व था, वे ही असामाजिक तत्वों को शह देते नजर आये हैं। वाकई ऐसी घटनाएं अल्पसंख्यक समाज में असुरक्षाबोध को जन्म देती हैं, जिसका लाभ राजनेता उठाने से नहीं चूकते। यह तय है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर जमकर राजनीति भी होगी और केंद्र व हरियाणा में डबल इंजन की सरकार निशाने पर रहेगी कि उनके शासन में कथित गौरक्षक खुली गुंडागर्दी करते नजर आ रहे हैं। निस्संदेह, किसी समाज में किसी जीव विशेष का जीवन एक वर्ग के लिये आस्था का प्रश्न हो सकता है। लेकिन इसका मतलब कदापि नहीं हो सकता कि उसके लिये किसी व्यक्ति के साथ अमानवीय व्यवहार करके उसे जिंदा जला दिया जाये। विगत में भी राजस्थान व हरियाणा के कुछ इलाकों में गौरक्षा के मुद्दे पर मॉब लिंचिंग के प्रकरण सामने आये हैं। मेवात के इलाके नूंह में इस तरह के घटनाक्रमों के सामने आने की बात कही जाती रही है। बताते हैं कि हरियाणा व राजस्थान सीमा से लगने वाले इलाकों में खनन के ठेकों में वर्चस्व की लड़ाई भी कालांतर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का वजह बनती गई है। जिसकी प्रतिक्रिया गौरक्षा व गौ तस्करी के विवादों से भी जुड़ती रही है। इस इलाके में कुछ पुलिस अधिकारियों पर हुए प्राणघातक हमले भी इस क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई की परिणति बताये जाते रहे हैं। निस्संदेह, ऐसे मामलों पर पुलिस-प्रशासन को बेहद संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करना चाहिए। इससे समाज के अल्पसंख्यक वर्ग में व्याप्त असुरक्षा की भावना को खत्म करने में मदद मिलेगी। अन्यथा क्रिया-प्रतिक्रिया के चलते सामाजिक समरसता को भारी क्षति होती है। यह विडंबना ही है कि समय रहते ऐसे मामले में सत्ताधीशों द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जाती है, जिससे असामाजिक तत्वों को इस तरह के निर्मम हत्याकांडों को अंजाम देने का हौसला मिलता है। समाज में शांति व्यवस्था और सौहार्द बना रहे, इसके लिये पुलिस-प्रशासन को न्याय की आधारभूमि तैयार करने के लिये जांच व कार्रवाई को तार्किकता प्रदान करनी चाहिए। अन्यथा ऐसी घटनाओं से देश को विदेशों में भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। गाहे-बगाहे हमारा जन्मजात विरोधी पड़ोसी ऐसे मामलों को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बनाने में कभी नहीं चूकता, भले ही उसके देश में अल्पसंख्यकों के साथ अमानवीय क्रूरता के मामले जब-तब प्रकाश में आते रहते हैं। इस मामले में केंद्र व राज्य सरकार को समय रहते सख्त कार्रवाई करके व्यवस्था पर लोगों के भरोसे को कायम करना चाहिए।

> जिसकी प्रतिक्रिया गौरक्षा व गौ तस्करी के विवादों से भी जुड़ती रही है। इस इलाके में कुछ पुलिस अधिकारियों पर हुए प्राणघातक हमले भी इस क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई की परिणति बताये जाते रहे हैं। निस्संदेह, ऐसे मामलों पर पुलिस-प्रशासन को बेहद संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करना चाहिए।

जहाज भर हिंदी में जाइए घूम आइए

अपनी हिंदी भी गजब की भाषा है। जब कहीं जाती है, तो जहाज भरकर जाती है। इस बार फिजी में तीन दिन का विश्व हिंदी सम्मेलन करने गई है। हर दो-तीन बरस में वह दुनिया को यह बताने के लिए निकलती है कि वह भी एक विश्व-भाषा है और फिर उसी तरह दिल्ली लौट आती है, जिस तरह गई थी! अपनी हिंदी स्वभाव से ही उदार है। जहां जाती है, थोक में जाती है और जितने दिन बाहर रहती है, बहुत खुश नजर आती है, लेकिन जैसे ही लौटकर दिल्ली आती है, तो फिर वही 'ढाक के तीन पात' हो जाती है।

हिंदी है ही ऐसी भाषा, जिसे बाहर की हवा अच्छी लगती है। हर दो-तीन बरस में सम्मेलन के ये दो-तीन दिन ही उसकी किस्मत बनाते हैं। जहाज से उतरते ही हिंदी के हाथ में डॉलर आ जाता है और रहने के लिए पांच सितारा कमरे की चाबी। डॉलरमय होते ही हिंदी परम शिष्टाचारी हो उठती है। अबे, तबे, ओए और तू-तड़ाक छोड़ वह नमन-नमन, प्रणाम-प्रणाम और चरण स्पर्श की भाषा बन उठती है।

सच! विदेशी धरती पर चरण धरते ही हर हिंदी वाला अति शिष्ट, विशिष्ट और सभ्य प्राणी हो उठता है। सभी हिंदी जन 'प्रणाम गुरुवर, अरे सर आप भी, आप कैसे हैं आदरणीय, आपको तो आना ही था, आपके बिना इतना बड़ा आयोजन कैसे होता?, आप ही इसे संभव कर सकते थे' आदि करने लगते हैं। एक-दूसरे के बीच इस कदर अहो-अहो, प्रभो-प्रभो, दिव्य-दिव्य, भव्य-भव्य, सुंदर-सुंदर, सादर-सादर और मधुर-मधुर भाव बरसने लगते हैं कि सभी एक-दूसरे को देख आनंद से पुलकित, चकित-थकित और पकित होते नजर आते हैं। सभी एक-दूसरे की असलियत जानते होते हैं, लेकिन बाहर जाकर सब एक-दूसरे के प्रति इस कदर 'सिविल' हो जाते हैं कि सिविल सोसायटी भी इनके आगे पानी भरे!

इन्हीं दिनों में हिंदी अपनी समस्याओं और चुनौतियों से जूझती नजर आती है। समस्या की बात करती है, तो अपनी दीनता-हीनता का रोना रोती है; अपने अस्तित्व को अंग्रेजी से खतरा बताती है और जब चुनौतियों के बारे में सोचती है, तो गर्व से भरकर कहने लगती है- वह दुनिया की तीसरे नंबर की भाषा है; उसे 'यूएन' में होना है; अमेरिका-इंग्लैंड के कुछ नेता हिंदी बोलकर चुनाव जीतने की जुगत में रहते हैं; हिंदी सबको जोड़ती है; वह विश्व-गुरु की भाषा है! अपनी हिंदी है ही ऐसी भाषा कि ऊपर से तो उसे वसुधैव कुटंबकम करना होता है, लेकिन अंदर-अंदर उसमें अयं निज परोवेति का जाप चलता रहता है कि 'सम्मेलन में उसे मंच पर बिठाया और हमें...?', उस गधे को अध्यक्ष क्यों बनाया, हम क्या मर गए थे...?' और जब आप पूछते हैं- सर जी, सम्मेलन में जाकर आप क्या कमाल किए? तो जबाव आता है, 'क्या करते, तीन दिन फ्री की पिकनिक कर आए। हिंदी है ही ऐसी कि वह अपने प्रति भी 'सीरियस' नहीं दिखती। उसके सुख-दुख भी ऐसे ही हैं थोड़ा सा रो लिए, थोड़ा सा हंस लिए, थोड़ा सा धमक लिए, थोड़ा सा धमका लिए, थोड़ी सी हिंदी कर लिए, थोड़ी सी अंग्रेजी के लिए तरस लिए और नाचने-गाने लगे कि हम भी अगर बच्चे होते, नाम हमारा होता डबलू-बबलू खाने को मिलते लड्डू, तो दुनिया कहती हैप्पी बर्थ डे टु यू!

> **नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग के अनुसार, रूस ने बसंत के आगमन के दो हफ्ते पहले ही अपने आक्रमणों में इजाफा कर दिया है। उसने दो और नए मोर्चे खोल दिए हैं। बसंत इस बार यूक्रेन में प्रेम का नहीं, घृणा और खूरेंजी का राग अलापता हुआ आएगा।**

यूक्रेन से आती यह आवाज

शशि शेखर

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग आगामी 24 फरवरी को अपना दुर्भाग्यपूर्ण एक साल पूरा करने को अभिशप्त है। इस लंबे युद्ध ने किसी पुतिन या जेलेंस्की का मान-मर्दन नहीं किया, बल्कि दुनिया के करोड़ों अमनपसंद लोगों की अभिलाषाओं पर पानी फेर दिया है।

इस दशक की शुरुआत तक लगता था कि दो देशों के बीच संपूर्ण युद्ध अब अतीत की बात बन गए हैं। हमने आखिरी बड़ी लड़ाई इराक-ईरान के बीच 1980-88 में देखी थी। लगभग पांच लाख लोग इसमें मारे गए थे। वह जंग विडंबनाओं और विद्रूपों से भरी हुई थी। मुझे आज तक वह तस्वीर भुलाए नहीं भूलती, जिसमें किशोरावस्था की दहलीज पर खड़े बालकों को सैनिक वर्दी में युद्ध के मैदान की ओर कूच करते दिखाया गया था। पहले पेज के लिए उसका 'कैप्शन' लिखते वक्त मेरा दिल भर आया था। दजला-फरात की सभ्यता की लड़खड़ाहट की वेदना उस चित्र में छिपी थी, जिसने अपने नौनिहालों के हाथ से कलम छीन, बंदूकें पकड़ा दी थीं। यूक्रेन इस कलंक कथा का अगला अध्याय साबित हो रहा है।

अपनी पहली वार्षिकी की ओर बढ़ती यह त्रासदी अब तक सात हजार से अधिक यूक्रेनी नागरिकों की जान ले चुकी है, 71 लाख लोग दूसरे देशों की ओर पलायन करने को बाध्य हुए हैं और 65 लाख लोगों को अपने ही देश में जलावतनी का सामना करना पड़ रहा है। कुल मिलाकर, इस युद्ध ने समूची दुनिया को भय, भूख और बदहाली की ओर धकेल दिया है।

ऐसे में, इतिहास का यह सबक एक बार फिर दिल दुखाने लगा है कि जंग कोई सत्तानायक हारे या जीते, पर जनता हर बार हारती है। रूस और यूक्रेन के लोग ही नहीं, बल्कि समूची दुनिया के आम इंसान इससे पीड़ित हैं। यूरोप में निशुल्क अथवा सस्ता भोजन बांटने वाले दातव्य भोजनालयों पर लंबी लाइनें देखी जा सकती हैं। वहां के लोग हड्डी गला देने वाली शीत में भी बिजली कटौती की बाध्यता के शिकार हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऐसी नौबत कभी नहीं आई थी।

पश्चिमी मीडिया का आरोप है कि पुतिन ने खुद को युद्ध अपराधी घोषित होने से बचाने के लिए चेचेन्या के बदनाम मानवद्रोही रामजान कादिरफ की सहायता ली। रामजान के पास निजी लड़ाकों की फौज है। इन लोगों ने यूक्रेनी परिवारों पर ऐसे-ऐसे जुल्म ढाए कि हिटलर भी शरमा जाए। यही नहीं, बड़ी संख्या में यूक्रेनी युवक-युवतियों और बच्चों को अगवा कर यूरोप की देह-मंडियों में बेच दिया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 11 महीनों में मानव तस्करी के मामलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पांच प्रतिशत का उछाल आया है। अतीत की बात बन चुकी गुलामी की प्रथा अब नई विकृतियों के साथ हमारे रूबरू है।

आप चाहें, तो इस पर हैरान हो सकते हैं, मगर आने वाले दिनों में कुछ नए सदमे आपका इंतजार कर रहे हैं। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग के अनुसार, रूस ने बसंत के आगमन के दो हफ्ते पहले ही अपने आक्रमणों में इजाफा कर दिया है। उसने दो और नए मोर्चे खोल दिए हैं। बसंत इस बार यूक्रेन में प्रेम का नहीं, घृणा और खूरेंजी का राग अलापता हुआ आएगा। पश्चिम का मानना है कि पुतिन आती गरमियों में निर्णायक विजय हासिल करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

उधर, अमेरिका की अगुवाई में समूचा पश्चिम यूक्रेन को अब तक हथियारों से पाटता आया है। अमेरिका पिछले दिनों में यूक्रेन को 24.2 बिलियन डॉलर के हथियार व सैन्य मदद मुहैया करा चुका है। जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों ने भी, जो कल तक अत्यंत घातक हथियार देने से हिचकिचा रहे थे, अपनी आपूर्ति खोल दी है। वे चाहते हैं कि जेलेंस्की और उनके लोग इन हथियारों के जरिये इन्हीं गरमियों में पुतिन को निर्णायक मात दे दें।

हालांकि, पश्चिम के वायदों, दावों और हकीकत में फर्क है। जेलेंस्की एफ-16 जैसे युद्धक विमान मांग रहे हैं, अमेरिका मना कर रहा है। वहां बहस उठ खड़ी हुई है कि रूस 20वीं सदी की शैली में लड़ रहा है। उसे जंग को लंबा खींचने से गुरेज नहीं और हम 21वीं सदी के आयुध लुटाए जा रहे हैं। ऐसे में, अगर अमेरिका को अन्यत्र हथियारों के इस्तेमाल की जरूरत पड़ जाए, तब क्या होगा? इस सवाल को उठाने वाले प्रतिरक्षा विशेषज्ञों का तर्क है कि अमेरिका अब तक यूक्रेन को 4,800 रॉकेट दे चुका है और उसके पास इस समय सालाना पांच हजार रॉकेट के उत्पादन की ही क्षमता है। इसी तरह, वह यूक्रेन को 1,07,400 गोला-बारूद भेंट कर चुका, मगर इनके निर्माण की उसकी वार्षिक क्षमता 93,000 ही है। यूक्रेन को टैंक विनाशक जैवेलिन मिसाइलों की आपूर्ति इसी तर्क के कारण रोक दी गई है। अमेरिका के पास सालाना हजार जैवेलिन मिसाइल के उत्पादन की ही क्षमता है। अगर यूक्रेन को हथियार इसी रफ्तार से मुहैया कराने हैं, तो इनका उत्पादन दोगुना करना पड़ेगा, जो तत्काल मुमकिन नहीं है। ये आंकड़े डराते हैं। युद्ध ऐसे ही खिंचता रहा, तो यूक्रेन अकेला पड़ सकता है।

कौन जीतेगा, कौन हारेगा, निर्णायक तौर पर इस सवाल का जवाब नहीं दिया जा सकता, मगर एक नया प्रश्न जरूर सिर उठा रहा है। कहीं पश्चिम यूरोप में दूसरा अफगानिस्तान तो नहीं जन रहा? सोवियत संघ को शिकस्त देने के लिए जिन तालिबान को हथियार और रकम देकर सिर चढ़ाया गया था, वे विश्व के लिए आफत बन चुके हैं।

इस बीच कुछ और आशंकाएं पैदा हो गई हैं। नॉर्वे ने दावा किया है कि रूस ने पिछले हफ्ते बाल्टिक सागर में परमाणु आयुध तैनात कर दिए हैं। विशेषज्ञ किसी भी परमाणु युद्ध की आशंका से इनकार कर रहे हैं, पर जंग अक्सर अनुमानों को भोथरा साबित कर देती है। किसने सोचा था कि 1914 में ऑस्ट्रिया के राजकुमार आर्कड्यूक फर्डिनेंड की वियना में हत्या कर दी जाएगी और प्रथम विश्व युद्ध छिड़ जाएगा?

यही वजह है कि दुनिया भर में हथियारों की होड़ तेज हो गई है। जापान ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार अपने रक्षा बजट में भारी इजाफा करते हुए अगले पांच वर्ष के लिए 320 बिलियन डॉलर की योजनाएं प्रस्तावित की हैं। इसका फायदा मारक हथियार बनाने वाली महाकाय कंपनियों को मिल रहा है। पिछले एक बरस में अमेरिकी हथियार कंपनी लॉकहीड मार्टिन के शेयर 37 प्रतिशत, नॉर्थ्रोप ग्रुमन के 40 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। इस बार अमेरिका का रक्षा बजट रिकॉर्ड 816.7 बिलियन डॉलर का है, जिसमें से करीब पौने चार बिलियन डॉलर यूक्रेन की मदद के लिए आवंटित किया गया है। शीत युद्ध की समाप्ति के बाद पहली बार जन-कल्याण की कीमत पर हथियारों की ऐसी होड़ मची है। इसे शुभ संकेत कैसे मान सकते हैं? एचजी वेल्स ने गलत नहीं कहा था- 'अगर हमने युद्ध को खत्म नहीं किया, तो युद्ध हमें खत्म कर देगा।

नफरत बोने वाला भाईचारा बांटने निकल पड़ा

झूठ और दंभ की बुनियाद पर खड़ी की गई लड़ाइयां इंसानियत को लहूलुहान करने के लिए कैसे मासूम किशोरों को गुमराह करती हैं, क्रिश्चिन पिचोलिनी से बेहतर इसे कौन बता सकता है? पिचोलिनी नस्लवादी नफरत से बजबजाती अंधी गली से आजाद होकर आए हैं और अब अपनी किताबों व भाषणों के जरिये दुनिया को बता रहे हैं कि जीना किसे कहते हैं!

पिचोलिनी के माता-पिता पिछली सदी के साठ के दशक में ही इटली से अमेरिका आ गए थे। शिकागो के साउथ साइड में उन्हें पनाह मिली और वे वहीं बस गए। आजीविका के लिए पिता ने एक छोटा-सा ब्यूटी सैलून खोल लिया था, पर उससे होने वाली आमदनी से मुश्किल से गुजारा हो पाता। ऐसे में, नवंबर 1973 में क्रिश्चिन पिचोलिनी जब उनकी जिंदगी में आए, तो बढ़ी जरूरतों से परिवार में परेशानियां खड़ी होने लगीं। लिहाजा माता-पिता, दोनों को काफी मेहनत करनी पड़ती। वे बिना नागा पूरे हफ्ते काम करते, बल्कि 14-14 घंटों तक उन्हें काम करना पड़ता था।

माता-पिता इतने मशरूफहो चले थे कि पिचोलिनी के लिए उनके पास वक्त ही नहीं बचता था। खुशी के चंद पलों के लिए भी पिचोलिनी तरस जाते। हालांकि, वह जानते थे कि मां-पापा, दोनों उनसे बहुत प्यार करते हैं, मगर कभी-कभी उन्हें ऐसा लगता, जैसे माता-पिता की जिंदगी में उनका कोई वजूद ही नहीं है, और उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। पिचोलिनी गहरे अकेलेपन के शिकार हो चुके थे। माता-पिता के प्रति नाराजगी उनमें गहराती चली गई थी। फिर वह कुछ ऐसा करने की फिराक में रहने लगे, ताकि माता-पिता की कुछ तवज्जो मिल सके। वह नशा करने लगे थे। उम्र के 14वें पड़ाव की बात है। पिचोलिनी एक दिन गली में सिगरेट पी रहे थे। तभी दोगुनी उम्र का एक शख्स उनके करीब आया और उनके मुंह से सिगरेट खींच लिया। फिर पिचोलिनी के कंधे पर हाथ रखकर उनकी आंखों में देखते हुए कहा- 'कम्यूनिस्ट और यहूदी यही तो चाहते हैं कि तुम दब्बू बने रहो।' किशोरवय पिचोलिनी उस वक्त यहूदी का मतलब भी नहीं जानते थे। हां, कम्युनिस्टों के बारे में एक फिल्म के जरिये यही धारणा बनी कि ये रूसी हैं और बुरे इंसान होते हैं। बहरहाल, उस शख्स की बातें जादुई असर करती जा रही थीं और रातोंरात उसने पिचोलिनी को समर्पित नाजी के रूप में तब्दील कर दिया। पिचोलिनी नाजीवाद की दलीलों को सुनने लगे थे और उन पर उनका यकीन भी बढ़ता जा रहा था। वह उस संगठन के नेताओं का गहराई से

अनुसरण करने लगे। ये लोग हाशिये पर पड़े हताश-कमजोर किशोर-नौजवानों को अपना निशाना बनाते और उन्हें जन्नत के ख्वाब दिखाकर अपने संगठन में शामिल किया करते।

पिचोलिनी ने श्वेत राष्ट्रवाद के पक्ष में संगीत बनाने से शुरुआत की और देखते-देखते वह उसी कुख्यात संगठन के नेता बन गए, जिसका नेतृत्व अमेरिका के पहले नियो-नाजी ने किया था, और जिसने उनकी भी भर्ती की थी। अगले कई वर्षों तक पिचोलिनी हर उस झूठ पर आंखें मूंदकर यकीन करते गए, जो उन्हें बताया गया। बिना किसी साक्ष्य के वह दुनिया के हरेक यहूदी को इस बात का अपराधी मानते रहे कि बहुसांस्कृतिक एजेंडे के जरिये वे श्वेत-नरसंहार को बढ़ावा देते हैं। पिचोलिनी शहर की हरेक बुराई, अपराध के लिए अश्वेतों को दोषी ठहराया करते, जबकि हकीकत यह थी वह खुद हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे। शहर में ड्रग्स के कई मामलों में श्वेत श्रेष्ठतावादियों ने ही धन मुहैया कराया था। पिचोलिनी इस सबका इल्जाम अप्रवासियों पर लगाते थे। पिचोलिनी को लगता कि दूसरे मुल्कों के लोग यहां आकर 'महान श्वेत अमेरिकियों' की नौकरी हड़प ले रहे हैं। वह इस कदर कट्टर हो चुके थे कि उन्हें इस तथ्य का भी भान न रहा कि खुद उनके माता-पिता किसी दूसरे मुल्क से आकर अमेरिका में बसे थे। अगले आठ वर्षों में उन्होंने दोस्तों को मरते, सलाखों के पीछे जाते देखा, बल्कि नियो-नाजी आंदोलन से जुड़ी नौजवान महिला साथियों के बारे में हौलनाक कहानियां सुनीं, जिनके साथ बर्बरतापूर्वक दुष्कृत्य आंदोलन के ही उन लोगों ने किया था, जिन पर वे सर्वाधिक भरोसा करती थीं। यौवनावस्था में कदम रखते हुए पिचोलिनी को प्यार हो गया। वह युवती श्वेत आंदोलन से जुड़ी नहीं थी। कुछ दिनों बाद उन्होंने शादी कर ली। जल्द की पिचोलिनी एक बेटे के पिता भी बन गए। प्रसव कक्ष में शिशु को गोद में उठाते हुए उनके भीतर कुछ दरक-सा गया था। वर्षों पहले जिस मासूमियत का दामन झटक वह नफरत की अंधी गली में प्रवेश कर गए थे, शिशु की मासूमियत ने उन्हें वह सिरा फिर से पकड़ा दिया था। मन में सवाल फिर उठा- मैं कौन हूं? नफरत फैलाने वाला एक नियो-नाजी या एक स्नेही-संरक्षक पिता और पति?

पिचोलिनी के भीतर झंझावात चल रहा था कि पिछले आठ वर्ष तक मैं क्या रहा था? खौफ भी था कि जेल हो सकती है या मारे जाएंगे, मगर हिम्मत बटोरकर उन्होंने नियो-नाजी आंदोलन का नेतृत्व त्याग दिया और एक रिकॉर्ड स्टोर खोल लिया। उसमें वह श्वेत संगीत के साथ-साथ अन्य तरह के संगीत भी बेचने लगे। आम ग्राहकों के साथ छोटे-छोटे संवादों ने पिचोलिनी के भीतर के इंसान को सींचना शुरू कर दिया। मगर पत्नी और बच्चे उन्हें छोड़कर चले गए, क्योंकि वह तुरंत इस आंदोलन से नाता नहीं तोड़ सके थे।

जब उन्होंने उससे पूरी तरह संबंध तोड़ा, तो सारे श्वेत ग्राहक दोस्त भी छूट गए। दुकान बंद करनी पड़ी। मगर वह अब समझ चुके थे कि नफरत उपेक्षा से पैदा होती है और भय इसका पिता है। आगे के संघर्ष ने उन्हें एमी अवॉर्ड दिलाया, पिचोलिनी ने कई किताबें लिखीं, और अब वह घूम-घूमकर नफरत के खिलाफ भाईचारे व सहयोग के दीये जला रहे हैं।

प्रस्तुति चंद्रकांत सिंह

सामाजिक न्याय की राह में पहला बिगुल

सब कुछ कितना सुंदर-मनमोहक लग रहा था, पर तभी दूल्हे के पिता तेज कदमों से उस लड़के की ओर आए और ऐसा लगा कि अपनी खूंखार हुई आंखों से ही मार डालेंगे। वह गरजकर बोले, तू यहां क्या कर रहे हो? नीच जाति का लड़का यहां हमारी बारात की शोभा बिगाड़ने आया है? ब्राह्मणों की बारात में अधम माली का लड़का! चल, अभी भाग यहां से।

सहसा उस लड़के को यकीन न हुआ, वह स्तब्ध देखता रह गया। फटकार जारी थी, ऊंची जाति के लड़के ने दो बात क्या कर ली, तूने तो मित्र ही समझ लिया? अपनी औकात तो देखो, जाति तो देखो, तुझे किसी ने अभी तक सबक सिखाया क्यों नहीं? तिरस्कार के एक-एक वाक्य लहूलुहान कर रहे थे। सरेराह तमाशा बन गया था, कथित ऊंची जाति के और भी लोगों की दैहिक मुद्रा और आंखों से घृणा बरसने लगी थी। भला यह कैसा बड़प्पन या ज्ञान, जहां रत्ती भर प्रेम नहीं, मानवता नहीं? उस लड़के को अनगिनत प्रश्नों और विडंबनाओं ने घेर लिया।

सब कुछ ठीक ही तो चल रहा था, पर बीच में जाति का रायता कैसे फैल गया? जब शिव जी की बारात निकली थी, तब किससे पूछी गई थी जाति-प्रजाति, उसमें तो पशु-पिशाच भी शामिल थे, पर यहां तो एक इंसान पर ही उंगली उठ गई!

उस लड़के ने निराशा और दुख के साथ अपने दूल्हा बने मित्र की दिशा में देखा, मित्र की नजरें भी आज आसमान पर आगे टिकी थीं। वह लड़का बारात से आहत बाहर निकल चला। ब्राह्मणों की बारात उसे घूरती आगे निकल गई। खुशियों पर पानी फिर गया। अब वह जल्दी घर लौटकर क्या मुंह दिखाएगा?

ऐसा क्यों है? इंसानों के बीच ऐसी घृणा क्यों है? यहां से गहराई से सोचने की शुरुआत हुई और उन्हीं दिनों एक किताब हाथ लगी राइट्स ऑफ मैन। अमेरिकी दार्शनिक थॉमस पेन की इस किताब ने साफ तौर पर बताया था कि जब मूलभूत अधिकार न मिलें, तब क्रांति का बिगुल बजाने में कोई हर्ज नहीं है।

हालांकि, सबसे आसान था ईसाई बन जाना, पर अपना धर्म और समाज कैसे सुधरता? अब अपने समाज का उत्थान करना होगा, सबसे पहले लड़कियों को पढ़ाना होगा, लड़कियां पढ़ गईं, तो आने वाली नस्लें सुधर जाएंगी। शिक्षा ही सामाजिक न्याय की बुनियाद है। ऊंची जाति के लोगों में भी घृणा का जहर तभी भरता है, जब सही शिक्षा का अभाव हो जाता है।

वह दौर ऐसा था कि ऊंची जाति की जकड़ को चुनौती देना लोहे के चने चबाने जैसा था, पर ज्योतिराव कहां रुकने वाले थे। वह सुधार के मार्ग पर अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ चल पड़े। बहिष्कार, पत्थर, गोबर, गाली, न जाने कैसे-कैसे झुकाने की साजिशें चलीं। फुले निस्वार्थ समाजसेवा से नित-नए फूल खिलाते रहे। शक्तिशाली देश के लिए महारोग साबित हो रही वर्ण व्यवस्था के खिलाफ उन्होंने एक किताब लिखी गुलामगिरी, जिसमें उन्होंने भगवान परशुराम को कड़ा पत्र भी लिखा। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की। चार्वाक की तरह वह भी गलत धर्मग्रंथ, जातिगत कट्टरता और धार्मिक पाखंड के खिलाफ बिगुल बजाए रहते थे, पर पीड़ित या मित्र या आलोचक ब्राह्मणों की मदद से कभी मुंह नहीं मोड़ते थे। उन्होंने कहा था, एक दिन आएगा, जाति व्यवस्था कमजोर होगी और देश मजबूत हो जाएगा। बाद में यही हुआ। उनके निधन के करीब तीस साल बाद गांधीजी ने कहा था, ज्योतिबा फुले असली महात्मा थे। बाबा साहेब आंबेडकर भी फुले से खूब प्रभावित थे, उन्होंने फुले की आवाज को मजबूत करते हुए कहा था, शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वो दहाड़ेगा।

प्रस्तुति ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है सरकार- मंत्री उमेश पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़ । उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल ने आज विभिन्न गांवों का दौरा कर जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया और नए कार्यों की घोषणा भी की। वे बनहर, गेजामुड़ा और उच्चभिट्ठी के दौरे पर रहे। उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल ने इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास है। कृषि प्रधान राज्य में प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के साथ ही हमारे रीति रिवाज बोली–भाषा, खानपान व सांस्कृतिक गौरव को मुख्यधारा से पुनः जोड़ने का कार्य हो रहा है।

किसानों की कर्जमाफी, फसलों के लिए आदान सहायता बोनस जारी कर उपज की सही कीमत देना, भूमिहीन श्रमिकों को सालाना 7 हजार की सहायता राशि, वनोपजों के समर्थन मूल्यों में वृद्धि जैसे कदमों से ग्रामीणों को आर्थिक सहायता मिली है। गौठानों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के मौके सृजित कर महिलाओं के सशक्तिकरण को बल देना, राजीव युवा मितान क्लब से युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर नेतृत्व कौशल का विकास, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की नींव मजबूत कर छात्र प्रतिभाओं के सफलता का मार्ग प्रशस्त करना, ओल्ड पेंशन स्कीम लागू कर अधिकारी कर्मचारी को सुरक्षित भविष्य प्रदान करने के साथ, स्वास्थ्य, सुपोषण जैसे कदमों से सभी वर्गों को राहत मिली है।

किसानों को लगातार बोनस की राशि मिल रही है। आज एक क्विंटल धान की 2,640 रुपए कीमत मिल रही है। यह देश में सर्वाधिक है। यह हमारे सरकार की नीतियों का परिणाम है कि आज प्रदेश में कृषि कार्यों को बढ़ावा मिला है। विभिन्न आयोजनों से हमारे खानपान और खेलों को देश विदेशों में पहचान मिली।

इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री श्री पटेल ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। ग्राम उच्चभिट्ठी में नवनिर्मित सांस्कृतिक चबूतरे का लोकार्पण करने के साथ ही उन्होंने यहां शेड निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि लगातार गांवों में सीसी रोड, नाली निर्माण, पानी टंकी, सांस्कृतिक चबूतरा के साथ स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अधोसंरचना विकास का कार्य किया जा रहा है। उच्च शिक्षामंत्री उमेश पटेल ने इस दौरान लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कैंप लगाकर राशन कार्ड बनवाने और उसमें सुधार को लेकर जो आवेदन प्राप्त हो रहे हैं उसका निराकरण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

पाली महोत्सव का आगाज :

राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को दे रही बढ़ावा: मंत्री अमरजीत भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने आज पाली में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय पाली महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पाली महोत्सव और भव्य रूप लेगा तथा कोरबा और छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनायेगा।

संस्कृति मंत्री श्री भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ी परंपरा और लोक संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का काम किया जा रहा है। उन्होंने इस मौके पर पाली महोत्सव के आयोजन स्थल पर पक्के शेड निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने की।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा की ऐतिहासिक नगर पाली में भव्य आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा की पिछले चार वर्षों में प्रदेश का चहुंमुखी विकास हुआ है। जिससे प्रदेश में तरक्की और खुशहाली आई है। शासन द्वारा सभी वर्गों के विकास के लिए योजनाएं संचालित की जा रही है। किसानों का कर्ज माफ 2500 रुपए क्विंटल में धान खरीदी, वनोपज की खरीदी जैसे कार्यों से प्रदेश की जनता आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पाली तानाखार क्षेत्र के विधायक श्री मोहित राम केरकेट्टा, कटघोरा विधायक श्री पुरुषोत्तम कंवर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर, नगर निगम कोरबा के महापौर राजकिशोर प्रसाद, जनपद पंचायत पाली अध्यक्ष श्रीमती दुलेश्वरी सिदार, नगर पंचायत पाली अध्यक्ष उमेश चंद्रा, गौ सेवा आयोग के सदस्य प्रशांत मिश्रा, राज्य श्रम कल्याण बोर्ड के सदस्य नवीन सिंह, राज्य मदरसा बोर्ड के सदस्य डॉ. शेख इश्तियाक, अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भी शामिल हुए। पाली महोत्सव के पहले दिन आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को बांधे रखा।

खास खबर

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत चिल्हाटीकला में 30 जोड़ों का विवाह संपन्न

बालोद। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम चिल्हाटीकला में परिवारजनों एवं गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में 30 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चंद्रप्रभा सुधाकर सहित गणमान्य नागरिकों ने नवदम्पत्तियों को सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवार की बेटियों के लिए एक सौगात है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संवेदनशील सोंच है कि बेटियों का विवाह बिना किसी पारिवारिक खर्च के आसानी से हो। इसी सोंच के चलते उन्होंने योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले राशि पन्द्रह हजार रूपए से बढ़ाकर पच्चीस हजार रूपए देने का निर्णय लिया।

महाशिवरात्रि पर भक्तों का रैला उमड़ा, शिवालयों में हुई पूजा अर्चना

कोरबा। शनि प्रदोष और सिद्धि योग के बीच महाशिवरात्रि पर्व आज सभी क्षेत्रों में अतीव आस्था और परंपरा के साथ मनाया जा रहा है। ब्रम्हमुहूर्त से मंदिरों में भक्तों की आहट हुई और इसके बाद पूजा अर्चना का सिलसिला प्रारंभ हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिवालयों में उपस्थिति सुनिश्चित की। अनेक स्थानों पर इस पर्व के उपलक्ष्य में भोग भण्डारा के आयोजन भी किये गये। पौराणिक मान्यताओं के अंतर्गत यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के महामिलन से जुड़ा हुआ है। अतीत की यादों को ताजा करते हुए महाशिवरात्रि पर्व पर औद्योगिक शहर और जिले में विभिन्न अनुष्ठान किये गये। कोरबा के पुराने शहर से लेकर अनेक बस्तियों कालोनियों के साथ.साथ उपनगरीय क्षेत्रोंए कस्बों और ग्रामीण अंचल में यह पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। लगभग सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ नजर आई।

महाशिवरात्रि की भीड़ ने तोड़े अब तक के सारे रिकार्ड, लाखों की संख्या में उमड़े श्रद्धालु

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघी पुन्नी मेला के समापन अवसर महाशिवरात्रि पर इस कदर भीड़ लगी रही कि अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिये। धक्का–मुक्की की भीड़ हर तरफ होती रही। वैसे मेला क्षेत्र 7 किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गरियाबंद, धमतरी, रायपुर जिला को मिलाकर तीनों जिला के सीमा पर यह मेला भरा हुआ है। बता देना जरूरी है कि शुक्रवार से ही महाशिवरात्रि के लिए भीड़ जुटना प्रारंभ हो गया था। शाम होते ही भीड़ बढ़ती जा रही थी। देर रात तक तो सांस्कृतिक कार्यक्रम बंद होने के बावजूद श्रद्धालुगण मेला क्षेत्र का भ्रमण करते रहे।

पहट तीन बजे पुण्य स्नान शुरू हो गया था जो आज दिनभर चलती रही। स्नान पश्चात् भक्तों ने दीपदान किया। यात्रियों के आने-जाने के लिए परिवहन विभाग ने रूट बदल दिया है। नवापारा से होते हुए जिला मुख्यालय गरियाबंद जाने के लिए बेलाहीघाट पुल, चौबेबांधा पुल पारकर पहुंचा जा रहा था। इस बायपास रोड में भी गाड़ी मोटरों का रेलमपेल लगा रहा। इसी तरह से ब्लॉक मुख्यालय फिंगेश्वर एवं महासमुंद जाने के लिए राजिम भक्तिन माता चौक पर रस्सा लगाकर शहर के अंदरूनी हिस्से पर आवागमन ब्रेक कर दिया गया था। बड़ी गाड़ियां पथर्रा होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग महासमुंद के लिए प्रस्थान कर रही थी। चूंकि सड़कें की चौड़ाई कम होने के कारण वाहनधारियों को संभल कर गाड़ी चलाना पड़ा।

भीड़ को कवरेज करने के लिए जिला प्रशासन ने जगह-जगह पुलिस के जवान तैनात कर दिये है। बावजूद इसके विषम परिस्थितियां बनती रही। राजिम पुल के मध्य में बैरीकेट्स लगाकर डिवाईडर बना दिये गये है। सुबह से ही भीड़ गई और देखते ही देखते जाम की स्थिति निर्मित होती रही। साधुसंतों की स्नान यात्रा जैसे ही चौराहे से होकर गुजरी पांव रखने तक की जगह नहीं मिली। यही स्थितियां सभी सड़कों पर देखने को मिली। बाहर से आने वाले यात्रियों को पार्किंग स्थल पर ही रोक दिया गया। आने वाले श्रद्धालुओं को पैदल मेला स्थल तक आना पड़ा। चौबेबांधा मार्ग पर सत्ती मंदिर के पास लोहे का ब्रेकर लगा दिये थे। जिसके कारण चार पहिया या फिर दो पहिया वाहन को जाने नहीं दे रहे थे। भीड़ को देखते हुए होमगार्ड के जमान भी ट्रैफिक पुलिस का काम किया। शहर में हर पांच मिनट में ट्रैफिक जाम की स्थिति तस्वीर को बदल कर रख दी। पिछले तेरह दिनों में पहली बार धक्का-मुक्की की नौबत देखने को मिली। चौड़ी रेत की सड़कें होने के बावजूद धक्के खा कर आगे बढ़ते रहे। इन्हें देखकर एक बुजुर्ग ने आखिरकार कह ही दिया यही तो मेला है। धक्का नहीं खाया तो मेले का मजा का कहां लिया। महानदी आरती स्थल के तिराहे पर बड़ी भीड़ रही। वीवीआईपी मार्ग, रामवाटिका, अटलघाट मार्ग, मामा-भांचा मार्ग से लेकर पूरे नदी क्षेत्र में रेलमपेल देखने को मिला।

मीना बाजार में भी भीड़ जमीं रही। मेला क्षेत्र में ही कंट्रोल रूम बनाया गया है। इधर पूरा मेला क्षेत्र में 150 सीसीटीवी कैमेरा से निगरानी करते रहे। इससे हुड़दंग करने वाले एलईडी के स्क्रीन से बच नहीं पाए। मौत का कुंआ, झूला, क्राफ्ट बाजार, कपड़ा बाजार, जूते दूकान, वाद्य यंत्र दूकान, मिठाई दूकान, लोहे की दूकान, झांकी, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल में लोग ठसाठस जमे रहे।

कुलेश्वरनाथ महादेव में लगी रही लंबी कतार

संगम के मध्य में स्थित कुलेश्वरनाथ मंदिर में अपार भीड़ रही। दर्शनार्थी कतारबद्ध होकर दर्शन करते रहे। लंबी लाईन लगी रही बैरिकेट्स के बावजूद उनसे बाहर धूप में खड़े होकर अपने बारी का इंतजार करते रहे। गुदगुदा से पहुंचे रामप्रसाद सोनकर, बागबाहरा के दीनानाथ, खरियाररोड के बसंत, चिरमिरी के हेमंत पाल ने बताया कि महाशिवरात्रि में शिवजी का दर्शन अत्यंत शुभ माना गया है। हम मेले में महादेव की पूजा करेंगे इसके लिए रात क्यों न हो जाए। इसी तरह से अलग-अलग जगह से आए श्रद्धालु बिल्व पत्र, धतुरा, नारियल, अगरबत्ती इत्यादि पूजन सामग्री लेकर खड़े रहे। लोगों की श्रद्धा स्पष्ट रूप से दिख रही थी। इसी तरह से मामा-भांचा मंदिर, भूतेश्वरनाथ महादेव मंदिर, राजराजेश्वर महादेव मंदिर, दानदानेश्वनाथ महादेव मंदिर, राजिम भक्तिनमाता मंदिर, सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर, बाबा गरीबनाथ महादेव मंदिर आदि है। भगवान राजीवलोचन मंदिर में भी अप्रत्याशित भीड़ रही। इनके अलावा आयताकार क्षेत्र में फैले मंदिर के चारों कोण में वराह अवतार, दत्तात्रेय मंदिर में दिनभर घंटियों की झंकार से गुलजार रहा।

छत्तीसगढ़ मिलेट कार्निवाल : प्रसिद्ध शेफविकास चावला ने मिलेट्स को भोजन में शामिल करने के बताए फायदे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के नेताजी सुभाष स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ मिलेट कार्निवाल के दूसरे दिन आज प्रसिद्ध शेफ विकास चावला ने मिलेट्स को भोजन में शामिल करने के फायदे बताए। उन्होंने मूली मिलेट्स का पराठा और सावा की खिचड़ी बनाकर लोगों को खिलाया। इसके साथ उन्होंने मिलेट्स को पकाने का सही तरीका बताते हुए दर्शकों को छोटे-छोटे टिप्स भी दिए।

शेफ विकास चावला ने कहा कि भारतीय ग्रंथों में लगभग 8 हजार साल पहले से मिलेट्स का प्रयोग भोजन में होने का उल्लेख मिलता है। कुछ वर्षों से हम मिलेट्स की जगह दूसरे अनाजों का उपयोग करने लगे हैं। फिर से मिलेट्स को दैनिक जीवन के आहार में शामिल करने से हम न सिर्फ बीमारियों से दूर रहेंगे बल्कि अच्छा स्वास्थ भी पा सकेंगे। उन्होंने लोगों की मिलेट्स से संबंधित जिज्ञासाओं और उसके व्यंजन बनाने में आने वाली कठिनाईयों का भी समाधान किया।

शेफ विकास ने बताया कि उनका पूरा परिवार रोजाना भोजन में मिलेट्स का उपयोग करता है। मिलेट्स मोटा अनाज होने के कारण इसे आधा से एक चम्मच घी के साथ खाना चाहिए, जिससे इसका पाचन आसानी से हो सके। उन्होंने बताया कि मिलेट्स को पकाने के पहले पांच से छह घंटे भिगोना चाहिए, जिससे उसके छिलके नरम पड़ जाएं। बाजरा गरम तासीर का होता है इसलिए उसे ठंड में खाएं।

ज्वार, सावा जैसे मिलेट्स को किसी भी मौसम में खाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मिलेट्स डायबिटीज और हार्ट पेशेंट के लिए बहुत फायदेमंद है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य लघुवनोपज संघ और आईआईएमआर हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय मिलेट कार्निवाल का आयोजन किया जा रहा है। इस अनूठे कार्निवाल में मिलेट फूड कोर्ट भी लगाया गया है जहां नागरिक मिलेट के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं। मिलेट कार्निवाल का उद्देश्य मिलेट को लोगों के दैनिक आहार में शामिल करने तथा इसके पोषक मूल्य के प्रति जनजागरूकता लाना है।

शान्ति सरोवर में दिन भर लोगों का तांता लगा रहा द्वादश ज्योतिर्लिंग की झाँकी 21 फरवरी तक रहेगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा रोड पर शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में द्वादश ज्योतिर्लिंग को देखने के लिए आज दिन भर शिवभक्तों का तांता लगा रहा। लोग बड़े ही भक्तिभाव से द्वादश ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने आते थे और भोलेनाथ के दर्शन कर धन्य अनुभव करते थे।

इस अवसर पर नन्हे मुन्ने बाल कलाकारों द्वारा सृष्टि का इतिहास बतलाते हुए सतयुग त्रेतायुग, द्वापर और कलियुग में प्राचीन भारत की गौरवगाथा का सजीव चित्रण देख भाव विभोर हो उठते थे। महाशिवरात्रि पर्व के आध्यात्मिक रहस्य को कमेन्ट्री के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यह बतलाया गया है कि यह परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण की ही यादगार है। जब इस धरा पर चारों ओर अज्ञान अन्धकार छाया होता है तथा मनुष्यात्माएं काम, क्रोध, लोभ, मोह एवं अहंकार रूपी विकारों के वशीभूत हो जाती हैं। तब ऐसे अतिधर्मग्लानि के समय पर मनुष्यों को निर्विकारी और पवित्र बनाने के लिए परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण इस धरा पर होता है। द्वादश ज्योतिर्लिंग को मनोरम तरीके से तीन सौ फीट लम्बी गुफा के अन्दर प्रदर्शित किया गया है। यहीं पर शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जहाँपर प्रशिक्षित गाईड एक-एक चित्र पर समझाकर लोगों की जिज्ञासा को शान्त करते हैं।

जो लोग और अधिक जानकारी चाहते हैं उनके लिए निःशुल्क सात दिवसीय राजयोग शिविर की भी व्यवस्था की गई है। ब्रह्माकुमारी संस्थान की रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बतलाया कि 21 फरवरी तक आयोजित इस शिव दर्शन झाँकी को प्रतिदिन शाम को 6 से रात्रि 9 बजे तक देखा जा सकता है। प्रवेश निःशुल्क है।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्रपति शिवाजी महाराज की 19 फरवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने कहा है कि शिवाजी महाराज का स्मरण करते समय हमेशा एक आत्मविश्वास और शौर्य से भरे व्यक्तित्व की छबि उभरती है। उन्होंने साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश की। वे एक कुशल रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी कुशल नीतियों से अनुशासित सेना और सुगठित प्रशासनिक व्यवस्था बनाई। श्री बघेल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी का शौर्य और व्यक्तित्व आज भी हजारों लोगों को प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध शायर हाजी हसन अली 'हसन' को उनकी पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 19 फरवरी को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध शायर हाजी हसन अली 'हसन' की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री बघेल ने अपने संदेश में कहा है कि हाजी हसन अली 'हसन' ने आजीवन उर्दू भाषा और साहित्य की सेवा की। राज्य सरकार ने उनके सम्मान में राज्य अलंकरण की स्थापना की है। हर वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य उत्सव के अवसर पर यह अलंकरण उर्दू भाषा और साहित्य के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।

प्रदेश में तापमान में बढ़ोतरी से हल्की गर्मी शुरू

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में मौसम बदलने के साथ ही अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी से हल्की गर्मी शुरू हो गई है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर से हवाएं आ रही है,लेकिन इनकी रफ्तार काफी कम है। हालांकि रविवार को उत्तर छत्तीसगढ़ में उत्तर हवाओं का प्रभाव देखने को मिलेगा और सरगुजा क्षेत्र में पारे में गिरावट आएगी। साथ ही रायपुर सहित मध्य छत्तीसगढ़ में तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। शनिवार को प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। दुर्ग व राजनांदगांव को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। हालांकि पेंड्रा रोड व अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान सामान्य रहे। रायपुर में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री ज्यादा रहा। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि रविवार को मौसम में फिर से थोड़ा बदलाव के आसार है, और उत्तर छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी।

आस्था के सभी केन्द्र को हमारी सरकार विकसित कर रही हैः सीएम भूपेश बघेल

राजिम माघी पुन्नी मेला के नामकरण से माटी की महक और संस्कृति की झलक मिलती है

राजिम माघी पुन्नी मेला का आतिशबाजी के साथ भव्य समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजिम माघी पुन्नी मेला के समापन समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सबसे पहले श्री राजीव लोचन मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। पश्चात लक्ष्मण झूला में ईरिक्शा चढ़कर सीधे श्री कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने जल चढ़ाकर अभिषेक किया और प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। मुख्य महोत्सव मंच पर पहुंचते ही भगवान राजीव लोचन की प्रतिमा पर पं. अर्जुननयन तिवारी सहित पंडितों के द्वारा मंत्रोच्चर किया गया। उपस्थित अतिथियों का स्वागत सम्मान हुआ।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सभी कलाकारों के साथ विदेशी कलाकरों का भी हम अभिनंदन करते हैं। राजिम माघी पुन्नी मेला की शुरूआत एव समापन दोनों अवसर पर आने का अवसर मिला। लक्ष्मण झूला का पिछले साल लोकार्पण किया था। मेला के बारे में ताम्रध्वज साहू, धनेन्द्र साहू, अमितेष शुक्ल चर्चा करते थे। पहले जिस नाम से यह मेला हो रहा था, उसमें छत्तीसगढ़ी खुशबू नहीं आती थी, परंतु अब संस्कृति की महक बराबर फैल रही है। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा रामायण प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले मंडली को 12 हजार पंचायत को 5 हजार पुरस्कार, जनपद स्तर पर 10 हजार, जिला स्तर पर 50 हजार प्रदान किया गया और राज्य स्तर पर हुंए प्रतियोगिता में लाखों रूपए देकर पुरस्कृत किया गया है। देश में कहीं भी ऐसा आयोजन नहीं होता है, आज सिर्फछत्तीसगढ़ में हो रहे। आस्था के केन्द्र को विकसित करने का काम हमारी सरकार कर रही है। राजिम पहले भी था, आज भी है और आगे भी रहेगा। नवीन मेला ग्राऊण्ड को विकसित करने का काम कर रहे हैं। कहीं भी भेदभाव हम नहीं कर रहे हैं। सबका बराबर विकास हो रहा है। नृत्य संगीत को सहेजने का काम हो रहे है। गौ माता की सेवा केवल छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है।

आस्था, विश्वास एवं संस्कृति का समागम है राजिम- अमरजीत भगत

संस्कृति एवं जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि राजिम आस्था, विश्वास एवं संस्कृति का समागम है। यहां की भव्यता के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। विदेश के भी रामायण यहां हुए हैं। यह सबसे बड़ा उदाहरण है।

राजिम के प्रति मुख्यमंत्री का प्रेम और स्नेह स्पष्ट दिख रहा है- अमितेश

राजिम विधायक अमितेश शुक्ल ने कहा कि स्वयं शिव भगवान मेला में आते हैं और मनोकामना को पूरी करते हैं। श्याम भैया हमेशा विकास की बात करते थे। सिंचाई की सुविधा, सड़कों का जाल पर ज्यादा ध्यान दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार विकास पर ध्यान दे रहे हैं। आने वाले समय में दोबारा मुख्यमंत्री अवश्य बनेगा। दो-तीन महीने में लगातार राजिम आएं हैं, जबकि इतना तो पाटन भी नहीं गए हैं। उनका राजिम के प्रति प्रेम और स्नेह है, जो स्पष्ट दिख रही है।

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के नारा को चरितार्थ किया- धनेन्द्र साहू

अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू ने कहा कि महाशिवरात्रि पर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहा हूं। नया सरकार ने चार पिछले चार साल में गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के नारा को चरितार्थ किया है। सभी क्षेत्र में पहचान बनाई है। आदमी के हैसियत बदले हैं। किसान से लेकर गौ पालक, भूमिहीन गरीब मजदूर, महिला स्वालम्बन आदि योजनाओं से इतिहास रच रहा है। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक शोषण को दूर किया है। राम के नाम पर वोट की राजनीतिक चल रही थी। हमारी सरकार ने राम पर ही काम करके दिखा दिया। रामायण प्रतियोगिता से राम की कथा को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। मेला में अपार भीड़ रही है, जो यहां के व्यापार व्यवसाय को उन्नति का अवसर दे रहा है। आने वाला साल यहीं पर राजिम माघी पुन्नी मेला फिर से लगेगा।

छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया को मुख्यमंत्री ने किया सकारः ताम्रध्वज साहू

धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि आने वाले साल में 60 एकड़ आरक्षित भूमि पर माघी पुन्नी मेला लगेगा। इसके लिए 100 करोड़ की राशि लगेगा। टेण्डर की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। फोर लेन सहित अनेक काम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि राजिम धर्म, आस्था और संस्कृति की भूमि है। पैरी, सोढूर एवं महानदी के संगम में मेला लगता है। हम हर साल नया करने का प्रयास करते हैं। 12 सौ साल पहले कुलेश्वर नाथ महादेव का निर्माण देवी सीता ने किया था। पंचकोशी यात्रा से लेकर अनेक खूबियां इस भूमि की है। रामचंद जी ने सर्वाधिक 10 साल यहां बिताया। राजिम में सर्वाधित राम वनगमन परिपथ के अंतर्गत 19 करोड़ का काम हो रहा है। पहले छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया करते थे, लेकिन बढ़िया नहीं था। बढ़िया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किया है, जो यहां के संस्कृति, रहन-सहन और खान-पान में जुड़ा है। इसलिए अब छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कह सकते हैं। मेला समापन होने के बाद भी आने वाले चार दिनों तक चलती है, इसलिए प्रशासन की सारी व्यवस्थाएं यथोचित रहेगी।

नीतीश भारती ने सैंड आर्ट माध्यम से किया प्रदर्शन

नीतीश भारती द्वारा सैंड आर्ट का प्रदर्शन किया गया, जिसमें गज ग्राहा युद्ध से लेकर उनके उद्धार पश्चात राजा रत्नाकर के द्वारा किए जा रहे यज्ञ में आसुरी शक्तियों के नाश के लिए विष्णु जी का आह्वान किया जाता है। उनके आवाज कान में पड़ते ही जिस अवस्था में थे, श्री हरि प्रगट हो गए और राजा को यहीं रहने का वरदान दिया। इस रेत कला के माध्यम से कांकेर के राजा से लेकर राजीम तेलिन भक्तिन माता के इतिहास को बताया। इस सैंड आर्ट का सीधा प्रसारण हुआ, इससे प्रसन्न होकर मुख्यमंत्री ने मंच पर ही सम्मातिन किया।जिला कलेक्टर प्रभात मलिक ने प्रतिवेदन पढ़ा। 15 दिवस तक हुए कार्यक्रमों की झलकियां वीडियों के माध्यम से प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने तीन दिनों तक चले राज्य स्तरीय रामायण प्रतियोगिता में प्रथम ज्ञान गंगा मानस परिवार बघेली दंतेवाड़ा को पांच लाख का चेक एवं स्मृति चिन्हा, प्रमाण पत्र, रामायण ग्रंथ तथा राजकीय गमछे के साथ पुरस्कृत किया गया। द्वितीय स्थान माधुरी महिला मानस मंडली गरियाबंद को तीन लाख को चेक तथा तृतीय स्थान जांजगीर चांपा जिले के मानस मंडली सरहर को दो लाख का चेक प्रदान किया गया। इस दौरान भव्य आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर सिहावा विधायक लक्ष्मी ध्रुव, राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, खनिज विकास नगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, जिला पंचातय गरियाबंद के अध्यक्ष स्मृति नीरज ठाकुर, जनपद पंचायत फिंगेश्वर के अध्यक्ष पुष्पा जगन्नाथ साहू, जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी साहू, राजिम नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा जितेन्द्र सोनकर, नवापारा नगर पालिका अध्यक्ष धनराज मध्यानी, तेलघानी विकास बोर्ड के सदस्य शैलेन्द्र साहू, बोर्ड भावसिंह साहू, विकास तिवारी, पद्मा दुबे, अशोक श्रीवास्तव सहित केन्द्रीय समिति के सदस्य के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ मिलेट कार्निवाल के दूसरे दिन मिलेट की खेती, उपार्जन की चुनौतियां एवं अवसर पर केंद्रित संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मिलेट कार्निवाल के दूसरे दिन मिलेट की खेती एवं उपार्जन की चुनौतियां एवं अवसर पर केंद्रित संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें छत्तीसगढ़ में मिलेट मिशन के जरिए लघु वनोपजों के रकबा क्षेत्र, उत्पादकता एवं प्रसंस्करण विपणन को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कृषि सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने की। इस संगोष्ठी में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, सीजीएमएफटी फेडरेशन के एडिशनल एमडी आनंद बाबू, कलेक्टर रायपुर डॉ. सर्वेश्वर भूरे, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के रिसर्च डायरेक्टर डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, प्रिंसिपल रिसर्चर डॉ. अधिकांत प्रधान, डिंडोरी जिले के समनापुर ब्लाक में संचालित हस्तचलित महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी की प्रतिनिधि भुवनेश्वरी ने मिलेट की खेती की नवीन विधियां, प्रसंस्करण एवं वनोपज आधारित आजीविका के कई अहम पहलुओं पर बात रखी।

कृषि सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने मिलेट मिशन के बारे में कहा कि किसानों को वनोपज आधारित आजीविका के लिए प्रेरित करते हुए राज्य सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की, ताकि किसानों को औने-पौने दाम में अपनी फसल न बेचनी पड़े। बाजार आधारित कृषि व्यवस्था में किसानों को समस्या आती थी इसलिए सरकार ने यह निर्णय लिया। मिलेट मिशन लागू होने के शुरूआती दो वर्ष में ही हमने 5 साल के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मिलेट मिशन को लेकर उत्पादकता में वृद्धि सबसे बड़ी चुनौती थी, जिससे निपटने के लिए लोकल वैरायटी को डेव्हलप करने का काम किया गया, अब किसान भी मिलेट की फसल लगाने पर रूचि ले रहे हैं। वर्ष 2023 को मिलेट वर्ष घोषित किया गया है। मिलेट्स के फायदों को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने भारत सरकार को स्कूली बच्चों, गर्भवती, शिशुवती माताओं के डाइट में भी मिलेट भोजन को शामिल करने का सुझाव दिया है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिलेट्स मिशन के उद्देश्यों पर सीजीएमएफटी फेडरेशन के एडिशनल एमडी आनंद बाबू ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बात रखी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में मिलेट मिशन की शुरूआत वनोपज उत्पादन के रकबा क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी, ताकि समर्थन मूल्य तय कर उत्पादकता, प्रसंस्करण, मिलेट की खपत और वनोपज आधारित आजीविका में वृद्धि की जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा मिलेट आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कोदो 3000 रूपए, कुटकी 3100 रूपए, रागी 3570 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर खरीदी की शुरूआत की और इसकी खरीदी एवं प्राथमिक प्रसंस्करण की व्यवस्था भी की। जिसके लिए जगदलपुर, कवर्धा, रायपुर, सूरजपुर में उत्पादकता एवं संग्रहण मात्रा को देखते हुए दो-दो यूनिट एवं कोण्डागांव, भानुप्रतापपुर, गरियाबंद, कटघोरा में दो मेट्रिक टन की क्षमता वाले एक-एक प्रसंस्करण यूनिट की स्थापना की गई है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि वर्ष 2011 से हम मिलेट पर काम कर रहे हैं, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मिलेट मिशन की पहल के बाद मिलेट्स की खेती करने वाले किसानों को भी इसका लाभ मिल रहा है। मिलेट्स की खेती आर्गेनिक विधियों द्वारा ज्यादा से ज्यादा रकबे में की जा सके, इसलिए उन्नत बीजों की उपलब्धता बेहद आवश्यक है। हम वनोपजों की विभिन्न वैरायटियों एवं आर्गेनिक विधियों पर लगातार शोध करते आ रहे हैं। हमने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदेश के पहले मिलेट कैफे का शुभारंभ भी किया है, जहां प्रतिदिन तीन से चार हजार रूपए की आमदनी हो रही है। इस तरह से मिलेट कैफे की आमदनी महीने में 90 हजार से एक लाख रूपए तक हो जाती है। आज के समय में लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं और मिलेट्स की पोषकता को समझकर इससे बने व्यंजनों में रूचि भी ले रहे हैं।

मिलेट कार्निवालः पाक कला प्रतियोगिता में कोदो बर्फी ने मारी बाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मिलेट कार्निवाल के दूसरे दिन राजधानी रायपुर के नेताजी सुभाष स्टेडियम में मिलेट्स व्यंजनों की पाक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कोदो बर्फी ने स्वाद और स्वास्थ की इस प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया। रागी सूप और कोदो वेज पुलाव भी पसंद किए गए और दोनों ने दूसरा स्थान पाया। रागी मिल्क शेक को तीसरा स्थान मिला। प्रतियोगिता के निर्णायक गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट केटरिंग टेक्नालॉजी के सीनियर लेक्चरर और शेफनितिन शेण्डे थे।

पाक कला प्रतियोगिता में आईएचएम के विद्यार्थियों के सात समूहों ने भाग लिया। उन्होंने कोदो-बादाम की खीर, कोदो वेज पुलाव, कोदो बर्फी, शरबते, रागी, रागी के गुलगुले, रागी सूप और रागी मिल्क शेक बनाया। इस तरह प्रतिभागियों ने मिलेट्स के स्टार्टर, मेन कोर्स, डेजर्ट और ड्रिंक को शामिल कर मेन्यू पूरा करने का प्रयास किया। जिससे लोग अलग-अलग तरीके से मिलेट्स के व्यंजन अपने भोजन में कैसे शामिल करें यह जान सकें। निर्णायक नितिन शेण्डे ने कहा कि मिलेट्स पौष्टिकता से भरपूर होते हैं, इसलिए इन्हें सुपर फूड भी कहा जाता है। पुराने समय में मिलेट्स को भोजन में शामिल करने के कारण उनमें अधिक शक्ति होती थी। आईएचएम विद्यार्थियों ने कहा कि भविष्य में वे मिलेट्स फूड को प्रमोट करेंगे, जिससे लोगों का स्वास्थ बेहतर हो सके। यह विशेष उल्लेखनीय है कि इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के लगभग 100 विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है। डिग्री कोर्स के लिए तीन लाख से अधिक और डिप्लोमा के लिए 45 से 52 हजार तक की फीस डीएमएफ फंड से दी जा रही है। इसके साथ ही विद्यार्थियों के रहने और भोजन की भी व्यवस्था की गई है। विद्यार्थियों ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताते हुए मिलेट्स को छत्तीसगढ़ी व्यंजनों में प्रयोग कर प्रदेश की संस्कृति को आगे बढ़ाने की बात कही है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य लघुवनोपज संघ और आईआईएमआर हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय मिलेट कार्निवाल का आयोजन किया जा रहा है। मिलेट कार्निवाल का उद्देश्य मिलेट को लोगों के दैनिक आहार में शामिल करने तथा इसके पोषक मूल्य के प्रति जनजागरूकता लाना है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बच्चे को चैन भरी नींद देने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

एक उम्र के बाद छोटे बच्चे को अलग सुलाना ही सही रहता है। कैसे बच्चे में छुटपन से अलग सोने की आदत डालें, बता रही हैं नीलम शुक्ला अकसर बच्चे की परवरिश को लेकर लोग अलग-अलग सोच रखते हैं। उनमें से कुछ लोग बच्चों को अलग सुलाने को लेकर भी सवाल करते हैं, मसलन कि उन्हें किस उम्र से अलग सुलाना चाहिए या फिर कैसे उन्हें अलग सुलाया जाए? सबसे पहले तो आपको यह समझना होगा कि बच्चे को अलग सुलाना क्यों जरूरी है? बच्चों के लिए जरूरी है कि वे सही समय पर सोएं और अच्छी नींद लें। बच्चों को साथ में सुलाकर आप उसे आत्मनिर्भर बनने से रोकती हैं, इसलिए उनको अलग सुलाएं। रही बात उम्र की, तो इस पर सबके अपने-अपने विचार हो सकते हैं। कुछ लोग 3-4 साल की उम्र के बाद से ही बच्चे को अलग सुलाने की वकालत करते हैं, तो वहीं कुछ लोग इसकी सही उम्र 6-7 साल मानते हैं। लेकिन इस सबके बीच आपको सबसे पहले बच्चों की सोने से जुड़ी आदतों को समझना होगा। बिना इन आदतों को समझे बच्चे को अलग सुलाना नामुमकिन है। ऐसे में ये जरूरी है कि आप उनकी नींद को ठीक से समझें और इसको समझ कर ही उनको अलग सुलाने की योजना बनाएं।

आराम है जरूरी

हर बच्चे को सुलाने का तरीका अलग-अलग हो सकता है। इसलिए जब भी आप बच्चे को अलग सुलाने की सोचें, तो इस बात पर तवज्जो दें कि वह कैसे सोता है? जरूरी नहीं कि जो तरीका आप किसी पत्रिका में पढ़ती हैं, वही आपके बच्चे पर भी काम करे। हर बच्चा अपने-आप में अलग होता है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को पहले समझें और अपना नया तरीका आजमाएं।

कमरा हो मनभावन

सोने का वातावरण भी अनुकूल होना जरूरी है। जब आप बच्चे को अलग सुलाने के बारे में सोचें, तो सबसे पहले उसके कमरे पर ध्यान दें। उसके कमरे का इंटीरियर, परदे का रंग, उसकी बेडशीट, सब कुछ उसकी पसंद के हिसाब से होने चाहिए, तभी बच्चा उस कमरे से जुड़ाव महसूस करेगा। बच्चे को जो भी चीजें पसंद हों, वह उसके कमरे में सजाएं। कुल मिलाकर बच्चे को यह एहसास हो कि यह उसका अपना कमरा है, जो उसके लिए सजाया गया है। बच्चे के कमरे में शांति भी जरूरी है। यहां शांति का मतलब यह बिल्कुल नहीं कि घर में कोई आवाज न हो। बच्चों को आम आवाजों के बीच सोने में कोई परेशानी नहीं होती। बस ख्याल यह रखें कि कमरे में कोई आर्टिफिशियल आवाज न आए, जैसे टीवी की या म्यूजिक सिस्टम की। इससे उनकी नींद में बाधा आती है।

कपड़े हों आरामदायक

बच्चों को हमेशा आरामदायक कपड़े पहना कर सुलाना चाहिए। कई बार बच्चे समझ नहीं पाते हैं कि उनको नींद क्यों नहीं आ रही है। पर इसका कारण उनके असहज कपड़े भी हो सकते हैं। हो सकता है कि उनके कपड़े कुछ टाइट हों या फिर उनको उन कपड़ों में ज्यादा गर्मी लग रही हो। इसलिए शुरू से ही बच्चों को नाइट ड्रेस में सोने की आदत डालें। ऐसे कपड़े सोने के लिए ज्यादा अच्छे होते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा संगीत और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

सफर के दौरान बरकरार रखें अपनी खूबसूरती

यात्रा के दौरान मेकअप करने पर प्रदूषण से मेकअप खराब होने का डर होता है. और आप समझ नहीं पातीं कि मेकअप करें भी या नहीं. सफर के दौरान ऐसे करें जिससे खूबसूरत लुक के साथ कम्फर्टेबल भी आप रहें. तो आइए बताते हैं, यात्रा के दौरान कैसे आप मेकअप करें.

बेस मेकअप

मेकअप की शुरुआत बेस से करें लेकिन हेवी फाउंडेशन न लगाएं वरना रास्ते में धूल-मिट्टी चेहरे पर चिपक सकती है. ऐसे में फाउंडेशन और पाउडर दोनों को मिलाकर बेस तैयार करें. सबसे पहले चेहरे पर टोनर लगाएं, फिर स्किन टोन से मैच करता फाउंडेशन लगाएं. इसके कुछ मिनट बाद फेस पाउडर लगाएं. ऐसा करने से मेकअप को प्रोटेक्टिव बेस मिलेगा, साथ ही फाउंडेशन चेहरे पर लंबे समय तक टिका भी रहेगा.

आई मेकअप

ट्रैवलिंग के समय हैवी आई मेकअप से बचें. नौर्मल आई मेकअप के लिए जेल आई लाइनर बेस्ट है जो देर तक टिका रहता है साथ ही ट्रैवलिंग के दौरान आई मेकअप के खराब होने की भी टेंशन नहीं होती. ब्लैक या ब्राउन की जगह कलरफुल शेड्स जैसे ब्लू या ग्रीन जेल आई लाइनर का इस्तेमाल कर सकती हैं. आई लाइनर के बाद मसकारा लगाएं. इससे आंखें बड़ी नज़र आती हैं.

ब्लशर

चीक मेकअप के लिए सही ब्लशर चुनें तभी सही मायने में लुक कम्प्लीट होगा. न्यूट्रल शेड के ब्लशर सफर में अच्छे रहेंगे. पीच, मोव, बेबी पिंक शेड्स का चुनाव करें. पाउडर ब्लशर के बजाय क्रीम बेस्ड ब्लशर देर तक टिकेगा.

साथ कैरी करें एक वैनिटी बॉक्स

- वैनिटी बॉक्स में थोड़ा कौटन, टिश्यू पेपर और इयर बड जरूर रखें, इनकी अक्सर जरूरत पड़ती है.
- आई, लिप और चीक बोन पर अप्लाई किए गए प्रोडक्ट्स साथ रखें जिससे टचअप की जरूरत हो तो मुश्किल न हो.
- अच्छा होगा कि मल्टीपल मेकअप किट साथ रखें जिससे सारे प्रोडक्ट्स कम जगह में सेट हो जाएं.
- सफर के दौरान पानी पीना न भूलें, इससे स्किन हाइड्रेटेड रहती है.

अपने बच्चे से भूल से भी कभी न कहें ये बातें

पैरेंट्स के लिए बच्चों की परवरिश आम बात नहीं होती है बल्कि काफी मुश्किल होता है। इसके लिए उन्हें हर कदम पर सावधानी बरतनी पड़ती है। काउंसिलर्स के अनुसार पैरेंट्स को बच्चों से कुछ भी कहने से पहले काफी सावधानी बरतनी चाहिए और शब्दों के चुनाव में भी ऐहतियात बरतनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि आप बच्चों से जो भी कहते हैं फिर चाहे वह पॉजिटिव हो या नेगेटिव उनके दिमाग पर इसका गहरा असर पड़ता है। यहां हम आपको कुछ ऐसी बातों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आपको अपने बच्चे से कभी नहीं कहना चाहिए...

तुम बेवकूफ हो

ये बात आपके बच्चे के आत्मविश्वास को खत्म कर सकती है। हमारे बीच कई ऐसे पैरेंट्स होते हैं जो अक्सर अपने बच्चों को ऐसी बातें कहते हैं। अगर आप अपने बच्चे को लगातार उसके आईक्यू लेवल को लेकर टारगेट करेंगे तो हो सकता है आपका बच्चा हीनभावना का शिकार हो जाए और बाकि लोगों की तुलना में खुद को कम आंकने लगे। इसलिए भूल कर भी ऐसी बातें बच्चे से न कहें।

दूसरे से तुलना न करें

तुलना कभी भी किसी को अच्छी नहीं लगती तो आप कैसे सोच लेते हैं कि आपके बच्चे पर इसका गलत असर नहीं पड़ेगा। ज्यादातर बच्चों के पैरेंट्स अपने बच्चों की दूसरों के बच्चों से तुलना करते हैं और उनके जैसा बनने को कहते हैं जिसका बच्चे पर गलत असर पड़ता है। पैरेंट्स को ये समझना चाहिए कि हर इंसान एक जैसा नहीं होता सबकी अपनी अलग पर्सनैलिटी होती है। बच्चों को किसी की तरह बनने को न कहें बल्कि प्यार से उन्हें ये एहसास दिलाएं कि वे जैसे हैं अच्छे हैं और पैरेंट्स उन्हें वैसे ही बहुत प्यार करते हैं।

बच्चों को धमकाना गलत

ऐसा अक्सर पैरेंट्स करते हुए नजर आते हैं जैसे बच्चों से कहते हैं कि ऐसा करो नहीं तो...बच्चों के साथ सख्ती कभी-कभी जरूरी होती है लेकिन उन्हें धमकाना, उनके दिमाग पर इसका बेहद गलत असर पड़ सकता है। इसलिए आप चाहे जितने भी गुस्से में क्यों न हों, बच्चे को डराने धमकाने की बजाय प्यार से समझाएं।

स्वाभाव अलग-अलग होना आम बात है

हर व्यक्ति की पर्सनैलिटी और स्वभाव अलग-अलग होता है। स्वभाव से शर्मीला या इंट्रोवर्ट होना कोई गलत चीज नहीं है। हो सकता है आपके बच्चे को हर किसी से मिलना जुलना ज्यादा पसंद न हो लेकिन इसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। धैर्य से काम लें और अपने बच्चे को डर से बाहर निकलने के लिए प्रोत्साहित करें और कॉन्फिडेंस गेन करने में मदद करें।

जब चुनें अपनी त्वचा के लिए स्क्रबर, इन बातों का रखें ध्यान

हममें से ज्यादातर लोग अपनी त्वचा पर स्क्रब का इस्तेमाल करते हैं ताकि डेड स्किन निकल जाए और त्वचा साफ-सुथरी लगे. एक्सपर्ट्स का मानना है कि त्वचा को स्क्रब करना दोनों ही पुरुष और महिला के लिये अच्छा होता है. यदि आपको समझ में नहीं आ रहा है कि आपकी त्वचा के लिये कौन सा स्क्रब अच्छा रहेगा, तो नीचे दिये हुए लेख को जरुर पढें. इसको पढ़ने से आपको आपके सवाल का जवाब जरूर मिल जाएगा.

रूखी त्वचा

रूखी त्वचा को स्क्रब करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है. यह भी संवेदनशील त्वचा की ही तरह काफी नाजुक होती है. आप इस त्वचा के लिये ओटमील का प्रयोग कर सकती हैं. ओटमील में यदि थोड़ा सा दूध मिला लिया जाए तो स्क्रब करने के बाद आपकी त्वचा छिलेगी नहीं और मुलायम भी हो जाएगी.

ऑइली स्किन

अगर आपकी स्किन औइली है तो आपको स्क्रब करने के लिये बेकिंग सोडा की आवश्यकता पड़ेगी. यह ऐसी सामग्री है जो शरीर से अत्यधिक तेल को बाहर निकाल कर त्वचा में ग्लो लाती है.

संवेदनशील त्वचा

अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो स्क्रब करने का काम थोड़ा ट्रिकी बन जाता है. स्क्रब करने के लिये उंगलियों की बजाए अपनी हथेलियों का प्रयोग करें. स्क्रब के लिये अच्छी सामग्री में नमक का प्रयोग करें.

साधारण त्वचा

साधारण त्वचा के लिये हर प्रकार का स्क्रब सही होता है, चाहे वह शुगर स्क्रब हो या फिर सौल्ट स्क्रब. इसके अलावा आप बादाम को कूंट कर भी उसका स्क्रब तैयार कर सकती हैं. यह बहुत ही लाभकारी होता है.

स्टमक फिट तो आप फिट

जीवनशैली और खानपान में बदलाव का नतीजा है कि किशोर और युवाओं में पेट के अल्सर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. सामान्य भाषा में कहें तो पेट में छाले व घाव हो जाने को पेप्टिक अल्सर कहा जाता है.

क्यों होता है पेप्टिक अल्सर:- पेट में म्यूकस की एक चिकनी परत होती है, जो पेट की भीतरी परत को पेप्सिन और हाइड्रोक्लोरिक ऐसिड के तीखेपन से बचाती है. इस ऐसिड और म्यूकस परतों के बीच तालमेल होता है. इस संतुलन के बिगड़ने पर ही अल्सर होता है.

कारण है एच. पायलोरी बैक्टीरिया:- पेप्टिक अल्सर का सबसे प्रमुख कारण एच. पायलोरी बैक्टीरिया है. वर्ष 1982 में एक ऑस्ट्रेलियाई डाक्टर बेरी जे. मार्शल ने एच. पायलोरी (हेलिकोबेक्टर पायलोरी) नामक बैक्टीरिया का पता लगाया था. इस बैक्टीरिया को बिस्मथ के जरिए जड़ से मिटाने में सफल होने की वजह से 2005 का नोबेल पुरस्कार भी उन्हें मिला. उन्होंने माना था कि सिर्फ खानपान और पेट में ऐसिड बनने से पेप्टिक अल्सर नहीं होता, बल्कि इसके लिए एक बैक्टीरिया भी दोषी है. इसका नाम एच. पायलोरी रखा गया. एच. पायलोरी का संक्रमण मल और गंदे पानी से फैलता है.

अल्सर के लक्षण:- अल्सर के लक्षणों में ऐसिडिटी होना, पेट फूलना, गैस बनना, बदहजमी, डायरिया, कब्ज, उलटी, आंव, मितली व हिचकी आना प्रमुख हैं. पेप्टिक अल्सर होने पर सांस लेने में भी दिक्कत होती है. यदि पेप्टिक अल्सर का जल्दी उपचार न किया जाए और यह लंबे समय तक शरीर में बना रहे तो यह स्टमक कैंसर का कारण भी बन जाता है. आंतरिक रक्तस्राव होने के कारण शरीर में खून की कमी हो जाती है. पेट या छोटी आंत की दीवार में छेद हो जाते हैं, जिससे आंतों में गंभीर संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है.

क्या न करें:- पेप्टिक अल्सर से बचना है तो धूम्रपान, तंबाकू युक्त पदार्थों, मांसाहार, कैफीन तथा शराब से दूर रहें.

क्या करें:- पेट की समस्याओं से बचने और पाचनतंत्र को सही रखने के लिए इन टिप्स पर गौर करें:

- पुदीना पेट को ठंडा रखता है. इसे पानी में उबाल कर या मिंट टी के रूप में लिया जा सकता है.
- अजवाइन पेट को हलका रखती है और दर्द से भी राहत दिलाती है.
- बेलाडोना मरोड़ और ऐंठन से राहत दिलाता है.
- स्टोमाफिट लिक्विड और टैबलेट पेट को फिट रखने में लाभकारी है. इस में मौजूद पुदीना, अजवाइन, बेलाडोना और बिस्मथ विकार को बढ़ने से रोकने के साथसाथ पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखता है. डाक्टर की सलाह से इस का सेवन किया जा सकता है.

दुर्ग, सुपेला और कोहका के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रमा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

रेत से बनी गौतम बुद्ध की प्रतिमा आकर्षण का केन्द्र

राजिम। माघी पुन्नी मेला में प्रजापिता ब्रम्हकुमारी पंडाल के समीप गौतम बुद्ध की रेत से बनी कलाकृति उकेरी गई है। इसे मेलार्थी देखने के लिए ललायित हो रहे है। कई दर्शक, तो सेल्फी भी ले रहे है। गौतम बुद्ध की बनी इस रेत की कलाकृति दर्शकों को एकाएक अपनी ओर आकार्षित कर रही है। इस कलाकृति को बांस के घेरे से सुरक्षित किया गया है और उस पर गौतम बुद्ध के संदेशों को पोस्टर के माध्यम से दर्शाया गया है। जिसे मेलार्थी पढ़कर अपने मन की शांति की प्राप्ति कर रहे है। ज्ञात हो कि गौतम बुद्ध ऐसे समाज सुधारक थे जिन्होंने सनातन धर्म में फैली बुराईयों को दूर करने के लिए अपने उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाया और उनके उपदेशों को सुनकर भारत के सम्राट अशोक ने भी इस धर्म को स्वीकारा था।

सुरसंगम पंडवानी ने कपालिक शैली में दी शानदार प्रस्तुति

राजिम। माघी पुन्नी मेला के अंतिम दिवस महाशिवरात्रि पर सांस्कृतिक मंच क्रमांक 2 पर छत्तीसगढ़ी लोकविधा में अनेक प्रस्तुतियाँ हुई। दर्शक सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक टस से मस तक नहीं हुए। भरवाड़ीह तिलदा के पुसउराम बंजारे ने सुरसंगम पंडवानी लोककला समिति द्वारा कपालिक शैली में वन पर्व पर शानदार कथा सुनाई। जौंदी के जगमोहन साहू ने भजन संध्या प्रस्तुत दिया उन्होंने धार्मिक भजनें गाकर मन मोह लिया। पिंगेश्वर के यशोमति सेन जय शीतला पंडवानी को लोग घंटो सुनते रहे। खुटेरी के वेदप्रकाश श्याम भजन मंडली ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। चिपरीड़ीह के तुलसी के राम रामायण मंडली के टुकेन्द्र साहू ने रामायण के प्रसंगों पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन मनोज सेन, महेन्द्र पंत, किशोर निर्मलकर एवं दुर्गेश तिवारी ने किया।

महंत रामसुंदरदास ने किया बाबा कुलेश्वरनाथ के दर्शन

राजिम। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदरदास राजिम पहुंचे। वे राजिम मेला में पैदल चलते हुए मेला क्षेत्र का भ्रमण किये। उन्होंने बाबा कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन किये। शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। बिल्वपत्र, धतुरा, फुहल, कनेर फूल इत्यादि पुजन सामाग्री अर्पित किया। इस मौके पर पिंगेश्वर जनपत के पूर्व अध्यक्ष राघोबा महाड़िक सपत्निक मौजूद थे। पश्चात् साहू समाज द्वारा चल रहे भंडारे में सम्मिलित हुए।

पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कुलेश्वर महोदव में किया जलाभिषेक

राजिम। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पूर्व मंत्री एवं रायपुर दक्षिण विधायक बृजमोहन अग्रवाल राजिम मेला पहुंचे। उन्होंने संगम के बीच में स्थित श्री कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में पहुंचकर शिवलिंग में बिल्वपत्र अर्पित किये तथा जलाभिषेक कर प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्री अग्रवाल भगवान श्रीराजीव लोचन मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना किया। इस दौरान श्री अग्रवाल राम वाटिका पहुंच कर भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना की।इस मौके पर उनके साथ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेन्द्र सोनकर, अमित साहू, रिकेश साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मिलेट्स कार्निवाल में प्रसंस्करण और उनकी मूल्यवर्धन पर हुई परिचर्चा

बीपी-शुगर के मरीजों को डॉक्टर दे रहे भोजन में मिलेट्स शामिल करने की सलाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मिलेट्स कार्निवाल का तीन दिवसीय आयोजन राजधानी रायपुर के सुभाष स्टेडियम में किया जा रहा है। कार्निवाल के दूसरे दिन के दूसरे सत्र में मिलेट प्रसंस्करण और उनके मूल्यवर्धन पर परिचर्चा हुई। परिचर्चा में मिलेट उत्पादन से पहले और उसके बाद की प्रक्रियाओं पर विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के फूड प्रोसेसिंग विभाग के वैज्ञानिक श्री नीरज मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र संगठन ने इंटरनेशनल ईअर ऑफमिलेट्स घोषित किया है।

कोदो, कुटकी और रागी समेत अन्य मिलेट्स में पोषक तत्वों की प्रधानता होती है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग और बस्तर संभाग सहित मध्य के कुछ जिलों में मिलेट्स का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है। भारत में प्रतिवर्ष 170 लाख टन मिलेट्स का उत्पादन होता है। यह एशिया महाद्विप का कुल 80 प्रतिशत और विश्व का कुल 20 प्रतिशत है। इसमें छत्तीसगढ़ का भी बड़ा योगदान है।

कैंसर, कोलस्ट्रॉल, रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारी के मरीजों को डॉक्टर भी मिलेट्स लेने की सलाह देते है। फाइबर की प्रचुरता होने के चलते इसे पेट की समस्या के लिए भी उपयोग किया जाता है। रागी में सबसे ज्यादा मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। मिलेट्स के प्रसंस्करण के लिए पहले साधनों की कमी थी। वहीं, अब पर्याप्त मात्रा में इनके साधन उपलब्ध है। स्क्रीन में प्रेजेंटेशन के माध्यम से आधुनिक मशीनों को दर्शा कर उनकी कार्य प्रणाली को समझाते हुए श्री मिश्रा ने बताया कि मिलेट्स में छिलके एक, दो या तीन नहीं बल्कि सात से लेकर नौ परतों तक होती है। इसकी प्रोसेसिंग की प्रक्रिया थोड़ी जटिल होती है। नए मशीनों ने इस प्रक्रिया को भी अब आसान बना दिया है। मिलेट्स से अब केक, चॉकलेट, कुकीज, नूडल और पास्ता जैसे उत्पाद बनाए जा रहे है। अवनी आयुर्वेदा कंपनी के श्री अमरीश ने बताया कि कांकेर में 40 टन प्रतिदिन की क्षमता से कार्य किया जा रहा है। कोदो से आटा, सूजी, दलिया आदि बनाया जा रहा है। कवर्धा के डीएफओ श्री चुड़ामणि सिंह ने बताया कि जिले में कोदो, कुटकी और रागी का उत्पादन भारी मात्रा में होता हे। मिलेट्स परंपरागत उत्पाद है। जिले में 5 वन धन केंद्रों में कोदो-कुटकी से आटा और अन्य उत्पाद बनाए जा रहे है।

बोड़ला में मिलेट्स के लड्डू भी बनाए जा रहे है। छत्तीसगढ़ शासन के प्रचार-प्रसार के माध्यम से मिलेट्स उत्पाद की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। आईसीएआर-आईआईएमआर के डॉ. श्रीनिवास बाबू ने सुझाव देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए ब्लॉक, जिला और प्रदेश में अलग-अलग स्तर पर किसानों को मशीनों की उपलब्धता प्रदान की जानी चाहिए। छत्तीसगढ़ से मिलेट्स के निर्यात को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार भी मिलेट्स को बढ़ावा दे रही है। इसके संग्रहण को बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। विशरा अग्रोटेक कंपनी के डॉ. जी अयप्पादासन बताते है कि उनकी कंपनी तामिलनाडू, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, ओडिशा के मिलेट्स केंद्रों में बिजली की जगह सोलर उपकरण लगाए जा रहे है। महिलाओं को मशीनों में काम करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शासकीय डी.बी. कन्या महाविद्यालय की डॉ. नंदा गुरवाला ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मिलेट्स को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। जो लोग मिलेट्स से परिचित नहीं थे, उनमें भी जागरूकता आई है। कोदो, कुटकी और रागी से अब ब्रेड, बिस्किट, प्रोटीन पाउडर, चॉकलेट बनाई जा रही है। यह कुपोषण के खिलाफ उपयोगी है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कोदो-कुटकी से बने उत्पाद का सेवन करना चाहिए। सभी को अपने दिनचर्या में इसे शामिल करने की प्राथमिकता रखनी होगी। बच्चों को इसे नूडल्स और पास्ता के रूप में खिलाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री बघेल के प्रस्ताव को भारत सरकार ने दी मंजूरी, मध्यान्ह भोजन में शामिल होगा मिलेट्स

राज्य के 12 जिलों में सप्ताह में 4 दिन, सोया चिक्की के स्थान पर मिलेंगे मिलेट्स से बने खाद्य पदार्थ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा मध्यान्ह भोजन योजना में मिलेट्स को शामिल करने के प्रस्ताव को केन्द्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। अब प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में सोया चिक्की के स्थान पर सप्ताह में चार दिन स्कूली बच्चों को मिलेट्स से निर्मित खाद्य पदार्थ वितरित किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा के अनुरूप लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा केन्द्र सरकार को इस योजना को आंशिक रूप से संशोधित करते हुए सोया चिक्की के स्थान पर मिलेट्स से बने खाद्य सामग्री वितरित किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव को केन्द्र सरकार के डायरेक्टर पीएम पोषण द्वारा मंजूरी दे दी गई है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में मिलेट्स के उत्पादन के लिए किसानों को भरपूर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कोदो, कुटकी-रागी जैसे मिलेट का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। इसके अलावा मिलेट मिशन के अंतर्गत राज्य के मिलेट्स उत्पादक किसानों को 9 हजार रूपए की इनपुट सब्सिडी प्रदान की जा रही है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है।

गौरतलब है कि पूर्व में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की वार्षिक कार्ययोजना में केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बच्चों को पूरक पोषण आहार के अंतर्गत 55 दिनों के लिए सोया चिक्की प्रदान करने के लिए केन्द्रांश के रूप में 1787.20 लाख रूपए और राज्यांश के रूप में 1198.14 लाख रूपए इस प्रकार कुल 2995.34 लाख रूपए की मंजूरी दी गई थी।

मां दंतेश्वरी मंदिर से धार्मिक चेतना को लेकर संतों ने शुरू की पदयात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिले के मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद शनिवार को संतों की पदयात्रा शुरू हुई। रायपुर में 19 मार्च को वृहद संत समागम में शामिल होने के लिए चार शक्तिपीठों से संत रायपुर के लिये पदयात्रा पर निकल चुके हैं। दंतेवाडा मां दंतेश्वरी मंदिर से संत कौशल रामनामी एवं राम भगत रामनामी के नेतृत्व में पदयात्रा की शुरूआत हुई।

संतों के दंतेवाडा पहुंचने पर विहिप और अन्य हिंदू संगठनों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। दोनों ही संतों ने मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना की और हवन भी किया। इसके बाद इन्होने अपनी पदयात्रा की शुरूआत की। मिली जानकारी के अनुसार 17 मार्च को पदयात्रा रायपुर में समाप्त होगी, वहीं 19 मार्च को रायपुर में वृहद संत समागम होगा, जिसमें एक लाख से ज्यादा संत पहुंचेंगे। इस पदयात्रा को लेकर हिंदू संगठनों में जमकर उत्साह देखा जा रहा है। बताया जाता है कि सामाजिक समरसता और धार्मिक चेतना इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

सनातन धर्म को लेकर लोगों को जागरूक किया जायेगा। साथ ही धर्म के महत्व के बारे में भी बताया जायेगा। समाज में फैले भेदभाव, जात पांत और छूआछूत जैसी सामाजिक बुराईयों को दूर करना भी इस पदयात्रा का उद्देश्य है। इस यात्रा के जरिये भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने पर भी बल दिया जायेगा। संत कौशल रामनामी ने बताया कि सनातन धर्म के जिन लोगों ने किसी कारणवश दूसरे धर्म को अपना लिया है, ऐसे लोगों की घर वापसी भी इस यात्रा के जरिये कराई जायेगी।

ग्राम पंचायत भ्रमण ग्रामीण विकास की दिशा में एक सशक्त कदम -कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम खलारी में गौठान एवं शासकीय प्राथमिक शाला खलारी एवं ढाबा का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने स्कूल में बच्चों से बात की तथा उनके शैक्षणिक स्तर को परखा। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने शासन की महत्वाकांक्षी सुराजी गांव योजना के जमीनी स्तर पर निरीक्षण के लिए ग्राम खलारी के गौठान पहुंचे तथा वहां वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, सामुदायिक बाड़ी, शेड निर्माण एवं मल्टीएक्टिविटी के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत भ्रमण किया जा रहा है। इसके बाद सभी संबंधित अधिकारी अपने आबंटित ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर फीडबैक देते हैं। जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में वस्तुस्थिति की समुचित जानकारी मिलने से समस्या के समाधान की दिशा में बेहतर तरीके से कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों के निरीक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा के साथ ही अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाए गए हैं।

कलेक्टर श्री डोमन सिंह के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमित कुमार ने डोंगरगढ़ के जनपद पंचायत सभाकक्ष में सभी अधिकारियों की बैठक ली। जिला पंचायत सीईओ ने सभी अधिकारियों से डोंगरगढ़ विकासखंड अंतर्गत कुपोषण की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। सभी अधिकारियों ने उनसे कुपोषण को दूर करने के लिए अपने अनुभव साझा किए। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि जर्जर स्कूल की मरम्मत के लिए शासन द्वारा राशि स्वीकृत हो रही है। शीघ्र की इस दिशा में तेज गति से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूल में जल जीवन मिशन के तहत पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें। शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए विशेष रूप से कार्य करने की जरूरत है। ऐसी व्यवस्था बनाए कि पढ़ाई अबाधित रूप से चलती रहे। कोई भी शिक्षक अवकाश पर जाए तो संकुल समन्वयक को आवेदन दे कर जाए, इसकी शिकायत नहीं आनी चाहिए। मनरेगा के कार्यों के संबंध में चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि जिले में नवाचार करते हुए चार विकासखंड में एक हजार परकोलेशन टैंक बनाए जाएंगे। किसी भी ग्राम पंचायत में निरीक्षण के दौरान इसके संबंध में जानकारी ली। परकोलेशन टैंक के निर्माण से ग्रामों में जलस्तर बढ़ेगा तथा वाटर रिचार्ज होगा। उन्होंने गौठान निरीक्षण की समीक्षा करते हुए गोधन न्याय योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी गौठानों में बिजली का कनेक्शन एवं पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए लगातार फालोअप ले। उन्होंने जल जीवन मिशन, पीडीएस की दुकानों में राशन वितरण के संबंध में जानकारी ली। सीएससी सेंटर का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करने के लिए कहा। कार्यालय में सभी सेवाओं के लिए रेट लिस्ट बोर्ड डिस्पले होना चाहिए।

विदेश में ठेठ छत्तीसगढ़ी पहनावा को खूब पसंद करते हैं: उर्वशी साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघी पुन्नी मेला में पहुंची छत्तीसगढ़ के चरित्र अभिनेत्री उर्वशी साहू अभिनय और नृत्य करने में माहिर है। मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की बोली भाषा और कला संस्कृति को संजो कर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। आजकल नए कलाकार तुरंत सक्सेस होने की चाहत रखते हैं और होते भी हैं इनके पीछे सिर्फमेहनत है। उन्होंने आगे कहा कि बहु को बेटी के समान दर्जा दे और बहू भी अपने सास-ससुर को माता-पिता की तरह सम्मान करें तो घर परिवार में खुशहाली जरूर आएगी।

हमारे पूरे कार्यक्रम शिक्षाप्रद होते हैं। आज से 25 साल पहले हमने माया के संदेश लोक कला मंच खड़ा किया जिनकी प्रस्तुति देशभर में हो चुकी है। पिछले 2 माह में 40 से भी अधिक कार्यक्रम कर चुके हैं। लोक कला मंच के क्षेत्र में खूब प्रस्तुतियां दी है।

खुद मेरे नाना स्वर्ण कुमार साहू चरणदास चोर के राइटर है। दादा रेवाराम गणेशराम पंडवानी पार्टी तथा पापा ईश्वर लाल साहू गोदना गोदा ले रीठा ले ले ले..., गीत के लेखक है मां राज भारती आर्केस्ट्रा के पहली गायिका रही है। कलाकारी मुझे विरासत में मिला है। 5 साल की उम्र से कला की दुनिया में काम कर रही हूं। 15 वर्ष की उम्र में चंदैनी गोंदा और अनुराग धारा जैसे प्रसिद्ध लोक कला मंच में नृत्य करती रही। उस समय तीजनबाई के टीम में देश विदेश घूमने का खूब मौका मिला। अंडमान निकोबार में राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा के हाथों सम्मानित हुई हूं। वहां से आने के बाद तीजन बाई की टीम मनमोहना टूट गई। उसके बाद माया के संदेश अलग से टीम बना लिया और इसी के सहारे विदेश जाने का भी अवसर मिला।

इटली में हमारी शानदार प्रस्तुति हुई। देशभर में जैसे कि देहरादून, गुड़गांव, हरियाणा, रोहतक, उत्तराखंड, केरल, कोच्चि इत्यादि जगहों पर खूब प्यार और दुलार मिला। छत्तीसगढ़ के बाहर छत्तीसगढ़ी पहनावा को लेकर खूब चर्चा होती है। छत्तीसगढ़ी आभूषण लोगों को खूब पसंद है। बाहर ज्यादा मेकअप नहीं करते। ठेठ परिधान में रहते हैं वैसे विदेश में भाषा दिक्कत नहीं देती। वहां द्विभाषी लोग रहते हैं जिनके कारण हमें अपने विचार अभिव्यक्ति में स्वतंत्रता मिल जाती है। उन्होंने आगे बताया कि कचरा बोदरा की प्रस्तुति ने मुझे खासतौर से पहचान दी। लॉकडाउन के समय छत्तीसगढ़ी में पहली बार झगड़ा को दर्शकों ने खूब पसंद किया। शीघ्र कचरा और बोदरा पर फिल्म रिलीज होने वाली है वैसे शिव कुमार दीपक और कमल नारायण सिन्हा दोनों पुरुष है लेकिन औरत की कपड़े पहन कर कॉमेडी करते थे हम लोगों ने सोचा कि क्यों ना यह कॉमेडी हमें किया जाए और मैं और उपासना दोनों ने छत्तीसगढ़ी में झगड़ा किया।

यदि शराब दुकान बंद हो जाए तो छत्तीसगढ़ स्वर्ग बन जाएगा - दीपक चन्द्राकर

राजिम। छत्तीसगढ़ के जाने-माने के लोक संगीत के पुरोधा दीपक चंद्राकर लोक अर्जुंदा की प्रस्तुति शुक्रवार को राजिम के मुख्यमंच पर हुई। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से विशेष रूप से चर्चा करते हुए अपनी बात बेबाक रूप से रखी। उन्होंने अपने चिर परिचित अंदाज में कई महत्वपूर्ण बात उल्लेखित किया। कहा कि अगर छत्तीसगढ़ में शराब दुकान नहीं होता तो यहां स्वर्ग जैसा रहता है। मैं तो कहता हूं कि शराब दुकान अभी बंद कर दे तो स्वर्ग बन जाएगा। क्योंकि यहां के लोग सीधे सरल और बहुत विश्वास करने वाले हैं। छल कपट नहीं जानते। कला में मेहनत के सवाल पर चंद्राकर ने कहा कि कला के क्षेत्र में यदि जुनून है तो उसे आगे बढ़ने कोई नहीं रोक सकता है, काबिलियत हो तो पैसा कहीं से हो मिलता है, क्योंकि डालडा कहीं भी मिल जाएगा शुद्ध घी को लोग खोजते आते हैं। कला में आकर्षण रहता है आदमी को अपनी ओर खींच लेता है, जब तक सोच नहीं रहेगा कला में जादू नहीं लाया जा सकता।

दुर्ग पुलिस के हत्थे चढ़े अंतर्राज्यीय उठाईगिरी गिरोह के सरगना, धमधा उठईगिरी कांड के बाद पीछे पड़ी थी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। धमधा में हुए एक उठाईगिरी के मामले में दुर्ग पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कानपुर व मध्यप्रदेश के शहडोल से दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। दोनों ने करीब 8 माह पहले धमधा क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया के पास एक शख्स की कार का कांच तोड़कर 3.50 लाख रुपए से भरा बैग निकालकर भाग गए थे। पुलिस लगातार इनका पता लगा रही थी। सीसी टीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान के बाद आरोपी अब जाकर पुलिस के हाथ लगे।

बता दें विजेन्द्र सिंह बघेल निवासी हास्पिटल कॉलोनी धमधा ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया था कि रिपोर्ट दर्ज कराया कि 7 जून 2022 को करीबन 12:00 बजे अपने स्वीफ्ट डिजायर कार में बैंक ऑफ इंडिया धमधा गया। कार को बैंक के सामने खड़ी कर बैंक के अंदर गया। बैंक में चेक के माध्यम से 3.50 लाख रूपए को निकाल कर काले रंग के अपने गमछा में लपेटकर अपने कार में रख दिया और अपने कार को निकालने लगा। पीछे में एक वेगेनार कार खड़ी होने से उस कार के ड्राईवर को खोजने अपनी कार को लॉक कर कृषि केन्द्र के पास गया। वापस आने पर देखा कि मेरे कार के सामने की कांच टुटा हुआ था और सीट में रखा गया 3.50 लाख रूपए नहीं था। इस मामले में धमधा पुलिस ने धारा 379 के तहत अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान टीम द्वारा घटना स्थल एवं बैंक के मध्य एवं प्रार्थी के आवागमन के मार्गों का सीसीटीव्ही फुटेज जांचा गया। इसके परिणाम स्वरूप बैंक एवं घटना स्थल के मध्य दो संदेही दिखाई दिये। जिनके फुटेज के आधार पर अपराधिक उठाईगिरी गिरोह के सदस्यों से मिलान करने पर आरोपियों की पहचान अमर उर्फ पप्पू निवासी दीवानपुर पत्थलगांव हॉल

निवासी हर्ष नगर कानपुर एवं चन्द्रभान नट निवासी खमरोद बुढ़ार जिला शहडोल मध्यप्रदेश के रूप में की गई।

आरोपियों की पहचान होने के बाद दोनों स्थानों पर अलग अलग टीमें रवाना की गई। कानपुर आरोपी के संभावित ठिकानों पर तलाश की जा रही थी। इस दौरान पता चला आरोपी अमर उर्फ पप्पू स्वयं का ई-रिक्शा चलाता है । जिससे उसकी ई-रिक्शा का नम्बर प्राप्त कर शहर में ई-रिक्शा के विरूद्ध हुई चालान की कापी से उसका पता निकाला गया। पुलिस की टीम लगातार 7 दिनों तक आरोपी को वॉच किया। आरोपी घर से बाहर नहीं निकलता था। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से चालान पेंडिंग होने का बहाने से घर में घुसी और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी गयी रकम से 21000 रुपए नगद एवं चोरी गयी रकम से खरीदा गया 01 नग एलईडी टीवी एवं 01 नग होम थेयटर साउण्ड बाक्स एवं चोरी गयी रकम में से 50,000 रूपये जो उसके द्वारा अपने केनरा बैंक कानपुर के खाते में जमा किया गया था उसकी पासबुक बरामद कर जब्त किया गया ।

इसी प्रकार दूसरी टीम द्वारा आरोपी चन्द्रभान नट उर्फ बब्लू को स्थानीय स्टाफ की मदद से ग्राम कोदेली पेट्रोल पंप के सामने थाना बुढ़ार मध्यप्रदेश से घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिससे घटना के संबंध में पूछताछ करने पर अपने साथ अमर उर्फ पप्पू नट के साथ मिलकर उठाईगिरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटर सायकल क्रमांक एमपी 18 एमपी 3914 को जप्त किया गया। उक्त आरोपियों से विस्तृत पूछताछ करने पर विगत 02 वर्षो के दौरान छत्तीसगढ़ के धमधा, भटगांव, बालोद, बेमेतरा, बेरला, धमतरी के अलावा मध्यप्रदेश के बरेली, खण्डवा एवं महाराष्ट्र के बुटीबोरी एवं कोटर में उठाईगिरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। इस पूरी कार्रवाई में एन्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट दुर्ग से सउनि चन्द्रशेखर सोनी, प्रआर सत्येन्द्र मढ़रिया, चन्द्रशेखर बंजीर, आरक्षक राजकुमार चन्द्रा, पकंज चतुर्वेदी, शहबाज खान, चित्रसेन साहू, जगजीत सिंह, रिन्कू सोनी, विक्रांत यदु, जावेद खान थाना धमधा से उप निरीक्षक यशवंत जंघेल, सउनि छून्कू राम नेताम, प्रआर निशाल वाल्दे एवं उत्तर प्रदेश पुलिस उप निरीक्षक कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, प्रआरदीशू भारती आरक्षक रासिद बटनौर की उल्लेखनीय भूमिका रही।

खास खबर

अरबी की ट्यूशन के बहाने मौलाना करता था छात्रा से छेड़छाड़ सुपेला पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में मौलाना द्वारा छात्रा से छेड़छाड़ किए जाने का मामला सामने आया है। शनिवार को पीड़ित छात्रा के पिता ने सुपेला थाने पहुंचकर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। छात्रा मौलाना के पास ट्यूशन पढ़ने जाती थी। ट्यूशन के बहाने से ही मौलाना बच्ची को बुरी नीयत से छूता था। शिकायत मिलने के बाद सुपेला पुलिस ने मौलाना को हिरायत में लिया है। उसके खिलाफ धारा 354,509 आईपीसी व 12 पास्को के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 9 वर्ष की बच्ची के पिता ने सुपेला थाने उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि मदरसे का मौलाना मो. मेराज इनकी नाबालिग बच्ची को अरबी भाषा का ट्यूशन पढ़ाता था। मौलाना मो मेराज कई दिनों से बच्ची से बेड टच करते हुए अश्लील बातें करता था। बच्ची ने घर आकर मौलाना की हरकतों के बारे में बताया। बच्ची के पिता की शिकायत पर सुपेला पुलिस ने धारा 354,509 आईपीसी व 12 पास्को का प्रकरण दर्ज कर विवेचना मे लिया। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी मौलाना मो मेराज को हिरासत में ले लिया गया है।

देशी कट्टे के साथ नाबालिग गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। जीआरपी एंटी क्राइम की टीम ने चेकिंग के दौरान स्टेशन में नाबालिग को 2 देशी कट्टे और छह जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन में चेकिंग के दौरान एक नाबालिग युवक पकड़ाया। तलाशी लेने पर टीम को दो देसी कट्टे और छह नग जिंदा कारतूस बरामद हुए। बताया जा रहा है कि जबलपुर का रहने वाला नाबालिक युवक अमरकंटक एक्सप्रेस से कट्टे की डिलीवरी करने बिलासपुर पहुंचा था, लेकिन उससे पहले जीआरपी एंटी क्राइम टीम की चेकिंग के दौरान पकड़ा गया। नाबालिक आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और वह किसे कट्टा सप्लाई करने बिलासपुर पहुंचा था इस मामले में जानकारी जुटाई जा रही है।

बंद गोभी के साथ हो रही थी शराब तस्करी राजनांदगांव पुलिस ने पकड़ी 15 लाख की शराब

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में शनिवार को पुलिस ने शराब तस्करी का बड़ा खुलासा किया है। जिले के सोमनी व डोंगरगांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने 15 लाख रुपए का शराब जब्त किया है। तस्कर महाराष्ट्र से शराब की तस्करी कर रहे थे। इसके लिए बंद गोभी के ट्रांसपोर्टिंग का सहारा लिया गया। बंदगोभी की बोरियों के नीचे शराब छिपाकर लाया गया। पुलिस ने दोनों थाना क्षेत्रों से 180 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है। शनिवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, डीएसपी नेहा वर्मा और सीएसपी अमित पटेल ने इसका खुलासा किया।

एएसपी पटले ने बताया कि महाराष्ट्र से शराब तस्करी की सूचनाएं मिल रही थी। इसे देखते हुए सभी थाना क्षेत्रों को अलर्ट किया गया था। इसी कड़ी में सोमनी थाना क्षेत्र के सोमनी थाना क्षेत्र के ठाकुरटोला टोल नाके के पास पुलिस ने घेराबंदी कर दो तस्करों को पकड़ा। मालवाहक गाड़ी एमएच 49 एटी 9818 में 100 पेटी अंग्रेजी

शराब बंद गोभी की बोरियों के नीचे रखकर ले जा रहे थे। इस शराब की कीमत 10 लाख 35 हजार है जिसे पुलिस ने जब्त किया। इस मामले मे वाहन चालक आकाश लोखंडे (27) निवासी जालनाखेड़ा थाना नारखेड, जिला नागपुर और हेल्पर मनोज काड़े (36) साल निवासी चार नंबर नाका पवनगांव रोड, थाना कल्मना नागपुर को गिरफ्तार किया है।

इसी तरह डोंगरगाव पुलिस को भी महाराष्ट्र से शराब तस्करी का इनपुट मिला था। पुलिस ने मालवाहक गाड़ी एमएच 49 डी 0154 को रोका और जांच करने पर 80 पेटी अंग्रेजी शराब मिली। शराब की कीमत 5 लाख 57 रुपए बताई जा रही है। इस मामले पुलिस ने रोहित बाबर (35) निवासी अजनी, जिला नागपुर और आमीर खान (34) निवासी बाहरदुरा रोड नागपुर को गिरफ्तार किया। इस प्रकार पुलिस ने दो मामलो में कुल 180 पेटी शराब के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया।

महिला ने थाने पहुंचकर पिया फिनाइल खुद को किया बाथरूम में बंद, मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शनिवार को महिला थाने सेक्टर-6 में उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला ने थाने में पहुंचकर फिनाइल पी लिया। घटना के बाद महिला ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया। इसके बाद जो हुआ वह हैरान करने वाला था। महिला थाने में हड़कंप मच गया। आनन फानन में बाथरूम से महिला को निकला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की हालत अस्पताल में खतरे से बाहर है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार शाम को आपसी विवाद के बाद एक दंपति पहुंची। यहां पहुंचने के बाद पत्नी अपने पति के खिलाफ शिकायत कर रही थी वहीं पति अपनी पत्नी की गलती बता रहा था।

इतने में महिला वॉशरूम जाने की बात कहकर गई और अपने साथ लाया हुआ फिनाइल पी लिया। फिनाइल पीने के बाद उसने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था।

जैसे ही इसकी जानकारी महिला थाना स्टाफ लगी हड़कंप मच गया। महिला थाने की स्टाफने महिला को बाहर निकाला। वह बेहोश हो चुकी थी इसके बाद पुलिस की टीम महिला को हॉस्पिटल लेकर पहुंची। अस्पताल पहुंचने के बाद महिला का स्वस्थ्य ठीक बताया जा रहा है। महिला पुलिस ने बताया कि महिला मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि महिला पहले भी इस प्रकार की घटना को अंजाम दे चुकी है।

मासूम नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का प्रयास कर हत्या करने वाला नाबालिग लड़का गिरफ्तार

रायपुर (ए)। पुलिस ने मासूम नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का प्रयास कर हत्या करने वाले नाबालिग लड़के गिरफ्तार कर लिया है। ये मामला आरंग थाना क्षेत्र का है। बताया कि शनिवार को आरंग क्षेत्रांतर्गत गुदगुदा गांव में स्थित एक खेत में बोर के पास 12 वर्षीय एक मासूम लड़की का शव मिला था। बच्ची के गले व सिर में चोट का निशान था। शव देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतिका के सिर में चोट पहुंचाकर व गला दबाकर हत्या कर दिया गया है।

मामले में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा आरंग पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा हत्या के सब पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अज्ञात की पतासाजी करना प्रारंभ किया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना के संबंध में मृतिका के परिजनों सहित आसपास के लोगों से पूछताछ कर अज्ञात व्यक्ति को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे।

सगी नाबालिग भतीजी से रेप करने वाला चाचा गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। पुलिस ने अपनी सगी नाबालिग भतीजी से रेप करने वाले कलयुगी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। ये मामला कोनी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने बताया कि 15 वर्षीय किशोरी 17 फरवरी को घर में अकेली थी। परिवार के अन्य सदस्य काम से बाहर गए थे। दोपहर करीब एक उसका चाचा घर आया। उसने पहले किशोरी से स्वजन के बारे में जानकारी ली। भतीजी ने बताया कि सभी शाम तक घर लौटेंगे। मौके का फायदा उठाकर चाचा ने नाबालिग से जबरन दुष्कर्म किया। इसे दौरान विरोध करने पर धमकाया।

साथ ही कहा कि स्वजन के इस घटना के बारे में जानकारी देने पर जान से मार देगा। इसके बाद आरोपित वहां से भाग गया। शाम को पीड़िता के स्वजन घर पहुंचे। इस दौरान पीड़िता अपने कमरे में रो रही थी। परिजनों ने पूछताछ की। तब पीड़िता ने दुष्कर्म के बारे में जानकारी दी। इसके बाद कोनी

थाने में अपराध दर्ज कराया गया। पुलिस की टीम तुरंत आरोपित को पकड़ने उसके घर पहुंची। तब वह फरार हो गया था।

पुलिस की टीम अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर तलाश करती रही। इस बीच छोटी कोनी पेट्रोल पंप के पास आरोपित युवक को पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित युवक ने अपराध करना स्वीकार किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद जिले से बाहर भागने के फिराक में गाड़ी तलाश कर रहा था। फिलहाल पुलिस इस मामले की विवेचना कर रही है।

शिवरात्रि मेले से लौट रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 3 की मौत

हादसे में 2 युवकों ने मौके पर तोड़ा दम बुजुर्ग महिला की अस्पताल में गई जान

जांजगीर-चांपा (ए)। जांजगीर-चांपा जिले के संकर गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलटने से 3 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 2 युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, वहीं 80 साल की बुजुर्ग महिला ने बिलासपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ा। करीब 30 ग्रामीण घायल हैं। इनमें से गंभीर रूप से घायल 8 लोगों को बिलासपुर रेफर किया गया है। सभी महाशिवरात्रि का मेला देखकर वापस लौट रहे थे। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है।

अकलतरा थाना प्रभारी उमेश साहू ने बताया कि संकर गांव के रहने वाले 30 से ज्यादा लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर परसही नाला गांव में आयोजित महाशिवरात्रि के मेले में गए हुए थे। वहां से शनिवार देर शाम ये सभी वापस लौट रहे थे, लेकिन तेज रफ्तार ट्रैक्टर गांव से थोड़ी दूर पहले ही अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे से 5 फीट नीचे जाकर पलटा, जिससे वहां चीख-पुकार मच गई। हादसे में दुर्गेश सिंह ठाकुर (19 वर्ष) और युगल किशोर पटेल (25 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं 30 ग्रामीण घायल हो गए, जिनमें से महिला-पुरुष समेत 8 लोगों से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अकलतरा सीएचसी में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 8 लोगों को बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया। हालांकि बिलासपुर में इलाज के दौरान 80 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। बाकी गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज जारी है। कुछ लोगों का इलाज अकलतरा सीएचसी में भी हो रहा है। जिन्हें मामूली चोट लगी थी, उन्हें प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया है। सभी लोग गांव के संकर के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों युवकों के शव को रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर चालक युगल किशोर पटेल जो काफी तेज रफ्तार में टैक्टर चला रहा था, वो गांव के मोड़ पर उसे नियंत्रित नहीं कर सका। इससे ट्रैक्टर इंजन और ट्रॉली सहित सड़क किनारे 5 फीट नीचे जा गिरी। चीख-पुकार सुनकर मौके पर गांववालों की भीड़ जमा हो गई।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

बाबा की बारातः गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम, भूत-पिशाच संघ जमकर झूमे भक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाशिवरात्रि के दिन भिलाई शहर में बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा बाबा की भव्य बारात निकाली गई। भगवान शिव की बाराम भूत-पिशाच के साथ ही पागल बाबा का औघड़ नृत्य प्रमुख आकर्षण रहा। वहीं कार्यक्रम में बॉलीवुड एक्ट्रेस रिमी सेन ने शिरकत इसमें चार चांद लगा दिए। हजार भक्तों, भूत-पिशात व शिवगणों के साथ निकली बारात गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गई। एक नहीं बाबा बारात ने दो-दो विश्व रिकार्ड बना दिए। कार्यक्रम के दौरान गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों ने बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह को सर्टिफिकेट भी दिया।

बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा हर साल की तरह इस साल भी बारात की शुरुआत इंदिरा नगर हथखोज स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर निकाली गई। यहां से निकलकर बारात ट्रांसपोर्ट नगर रोड से कैनाल रोड होते हुए बोल बम चौक, नंदी तिराहा होते हुए जोन 1 व जोन 2 एप्रोच रोड से निकलकर दुर्गा मंच जोन 2 में समाप्त हुई।

दुर्गा मंच पर शिव पार्वती का सांकेतिक विवाह कराया गया और विशाल भोग भंडारा हुआ। हजारों लोगो ने यहां पर भोलेबाबा का प्रसाद ग्रहण किया। बाबा की बारात में जहां हजारों की संख्या में भक्त शामिल हुए वहीं इसका स्वागत करने कैनाल रोड के दोनों छोर पर भक्तों का तांता लगा रहा।

देशभर की 151 झांकियां हुई शामिल

बोलबम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा बाबा की बारात का यह 15 वां साल है। हर साल इसकी भव्यता बढ़ती ही जा रही है। इस वर्ष बारात में 151 झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। दुर्ग, बेमेतरा, कवर्धा, मुंगेली, भाटापारा, जांजगीर चांपा, जगदलपुर, कांकेर के साथ ही आंध्र प्रदेश, केरल, पंजाब, उत्तरप्रदेश की झांकिया भी शामिल की गई। शिव पार्वती, देवगण, भूत-पिशाच, असुर व अघोरियों के रूप शिव की बारात की भव्यता देखी ही जा सकती थी। राम रथ, राम रावण युद्ध, गंगा अवतरण, भोले बाबा का अघोरी रूप, भूतों की मंडली, भगवान गणेश द्वारा मातृ-पितृ पूजन, त्रिदेव (ब्रह्मा-विष्णु-महेश) के दर्शन हुए। झांकियों के साथ भगवान भोलेनाथ का पार्थिव शिवलिंग भी आकर्षण का केन्द्र रहा।

अघोरी के रूप में दिखे हरियाणा के पगला बाबा

शिव की बारात में इस बार हरियाणा से आए पगला बाबा को देखने लोगों में काफी उत्सुकता दिखी। हरियाणा में मलंग बाबा पगला बाबा के नाम से प्रसिद्ध है। वे अघोरी शिव के रूप में दिखे और उनके साथ भूत पिशाच की बड़ी संख्या में दिखे। अघोरी शिव के रूप में पगला बाबा ने शिव तांडव का नजारा पेश किया। नरमुंड़ों की माला पहले अघोरी पगला बाबा अलग ही रंग में नजर आ रहे थे। इसके अलावा अन्य प्रदेशों से पहुंची झांकियों ने भी कार्यक्रम स्थल पर अपनी प्रस्तुति दी। बारात के दौरान भीड़ को संभालने में भी सुरक्षा कर्मियों के पसीने छूट गए।

केनाल रोड के जीरो प्वाइंट पर हुआ भव्य कार्यक्रम

बाबा की बारात जैसे ही कैनाल रोड के जीरो प्वाइंट पर खुर्सीपार पहुंची वहां भव्य कार्यक्रम हुआ। यहां पर बड़ा मंच बनाया गया जहां अतिथियों का स्वागत किया गया। बॉलीवुड एक्ट्रेस रिमी सेन विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुई। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, सासंद सरोज पाण्डेय सहित कई दिग्गज कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे। बारात में न सिफभिलाई शहर के बाल्कि आसपास के जिलों व अन्य प्रदेश से भी भक्त शामिल हुए।

टैक्स वसूली में बढ़ोतरी करने भिलाई निगम के सभागार हुई में बैठक

कर्मचारियों को भी दिया गया प्रशिक्षण, प्रमुख रूप से अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी बैठक में रहे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में टैक्स वसूली को लेकर बैठक की गई, जिसमें विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। इसके साथ ही नई एजेंसी श्री साई पब्लिक स्टेशनर्स के कर्मचारी भी शामिल हुए। इन सभी को संपत्तिकर की वसूली कैसे बढ़ाया जा सकता है, इसके बारे में टिप्स दिए गए। टैक्स वसूली के लिए हर पहलुओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षित किया गया। गौरतलब है कि निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर संपत्तिकर की बढ़ोतरी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत प्रशिक्षण आयोजन तथा समीछा बैठक किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, उपायुक्त नरेंद्र कुमार बंजारे

एवं रमाकांत साहू, लेखा अधिकारी जितेंद्र ठाकुर, धर्मेंद्र मिश्रा, दिलीप कुर्वे तथा श्री साई पब्लिक स्टेशनर्स व निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में एजेंसी के द्वारा किए जा रहे कार्यो की समीक्षा भी की गई। बताना जरूरी है कि मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन में नई एजेंसी के द्वारा कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं और टैक्स वसूली की कार्रवाई की जा रही है। सोमवार से संपत्तिकर की वसूली के लिए एजेंसी के द्वारा डोर टू डोर टैक्स कलेक्शन को लेकर चर्चा की गई। एजेंसी को निर्देशित किया गया है कि वह जल्द से जल्द सभी प्रकार के टैक्स वसूली पूरा करें। निगम के द्वारा प्रदान किए गए लक्ष्य के अनुसार 100त्न टैक्स वसूली करें। कर्मचारियों को आई कार्ड के साथ ही वसूली करने कहा गया है। डोर टू डोर सर्वे कार्यों की समीक्षा भी की गई एजेंसी के द्वारा कितने वार्डों का अब तक सर्वे किया जा चुका है इसकी रिपोर्ट मांगी गई है।

विधायक देवेन्द्र ने सपत्निक की महादेव की आराधना, महा मृत्युंजय मंत्र का जाप कर नगर वासियों के लिए मांगी समृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शहर में विभिन्न आयोजन हुए। पूरा शहर हर हर महादेव के जयकारें से गुंज उठा। इस पावर अवसर पर शहर के शिवालयों में विभिन्न आयोजन हुए भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव अपनी धर्मपत्नी के साथ शिवालय में पहुंचकर महादेव की पूजा अर्चना की।

फूल बेल पत्ती, जल, दूध,गंगाजल आदि अर्पित किए। विधि विधानसभा के साथ पूजन किया और शहर वासियों के सुख शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान विधायक देवेन्द्र यादव हुडको से लेकर टाउनशिप सहित खुर्सीपार और छावनी क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में पहुंच कर पूजा अर्चना की।

खुर्सीपार में भव्य कलश यात्रा और बाबा भोलेनाथ की पालकी निकाली गई। इस आयोजन में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव शामिल हुए और महामृत्युंजय का जाप किया। सर्वप्रथम सुबह वे हुडको शिव मंदिर पहुंचे। मंदिर पूजा समिति द्वारा श्री मंदिर में महाआरती और महामत्युंजय जाप का आयोजन किया गया। विधायक देवेंद्र यादव सहित सैंकड़ों की संख्या में शामिल बाबा भोलेनाथ के भक्तों ने महादेव की विधि विधान से पूजा अर्चना की। विधायक देवेंद्र यादव ने शिवलिंग पर दूध,दही, बेल पत्ती, धतूरा, श्री फ्ल 151 बार महामृत्यंजल का जाप कर पूजा अर्चना की और देवों के देव महादेव से शहरवासियों के सुखशांति और समृद्धि की कामना की। इसके बाद वार्ड की माताओं और बहनों ने कलश यात्रा निकाली। साथ ही बाबा भोलेनाथ की पालकी निकाली गई। विधायक देवेंद्र यादव पालकी अपने कांधे में उठाकर वार्ड भ्रमण किया। इसके बाद सभी भक्तों को महाप्रसादी का वितरण किया गया। गोडवाना समाज बूढ़ादेव देवालय खुर्सीपार भिलाई नगर के तत्वावधान में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर बूढ़ादेव भगवान की पूजाअर्चना और महाआरती की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक देवेंद्र यादव भी शामिल हुए। विधायक देवेंद्र समाज के लोगों के साथ भगवान बूढ़ा देव की विधि विधान से पूजा अर्चना की और सब को महाशिवरात्रि पर्व की शुभाकामनाएं दिए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहुंचे दुर्ग जिले के ठकुराइन टोला, महाशिवरात्रि पर्व में हुए शामिल, कहा-

सरकार कर रही तीर्थ भूमियों को विकसित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के तीर्थ स्थलों को विकसित करने की दिशा में हम व्यापक कार्य कर रहे हैं। ठकुराइन टोला में 3 करोड़ रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है तथा 17 करोड़ रुपये की लागत से लक्ष्मण झूला बनाया जाना है। संत पवन दीवान जी द्वारा इस मंदिर का लोकार्पण किया गया था। मंदिर में हर वर्ष तीर्थ यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

यह बात मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ग्राम ठकुराइनटोला में महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के पश्चात श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे महत्वपूर्ण तीर्थस्थल राजिम में 55 एकड़ क्षेत्र में विकास कार्य किया जा रहा है। यहां पर मेले में आने वाले यात्रियों के लिए रहने की सुविधा भी होगी। इसके पहले मेला नदी तट तक फैला रहता था जिससे नदी में मुरूम भरने से दिक्कत आने की आशंका थी। अब नये परिसर से यह दिक्कत दूर होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरिया से लेकर सुकमा के रामाराम तक नौ तीर्थस्थलों में राम वन गमन क्षेत्र को विकसित किया जा रहा है। हमने शिवरीनारायण, चंदखुरी और राजिम तीर्थ स्थल में अधोसंरचना विकास किया है। देश में कौशल्या माता के एकमात्र मंदिर में अधोसंरचना विकास एवं सौंदर्यीकरण का कार्य हुआ है। मंदिर में आने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश में तेजी से आर्थिक विकास हुआ है और शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अधोसंरचना विकास तेज हुआ है मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धान उत्पादक किसानों को अपनी मेहनत का सबसे अच्छा मूल्य मिल रहा है और किसानों का संतोष हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है। उन्होंने निषाद समाज द्वारा मंदिर परिसर के विकास के लिए किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री बघेल ने कौही में किया 11 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कौही में आयोजित मेले में 11 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे तीर्थ स्थल हमारे धरोहर हैं। यहां तीर्थयात्रियों के लिये सुविधाओं का विकास हमारे लिए प्राथमिकता है और इस दिशा में बड़ा काम पिछले चार वर्षों में हमने किया है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव को औधड़दानी कहते हैं। जहां भी शिव विराजे हैं वहां मेले लगे हैं। भगवान शिव का आशीर्वाद हम पर है। प्रदेश समृद्धि की राह पर है। साधु संत कहते हैं कि शिव भाव से ही सारे जीवों की सेवा करना है। हमने इसे ही लक्ष्य माना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईश्वर के आशीर्वाद और आप के सहयोग से हम यह कार्य कर रहे हैं। कोरिया से सुकमा तक 2200 किमी में रामवनगमनपथ को विकसित करने काम हो रहा है। कौशल्या महोत्सव मनाने का हमने निर्णय किया है। शिवरीनारायण में और राजिम में हम अधोसंरचना विकसित कर रहे हैं ताकि तीर्थयात्रियों को अधिकतम सुविधा मिल पाए। राजिम में 55 एकड़ क्षेत्र को मेला परिसर के रूप में विकसित कर रहे हैं। राजिम में तीर्थयात्रियों को रहने की सुविधा यहां मिल पाएगी। गुरू घासीदास से जुड़े तीर्थस्थलों में भी हम अधोसंरचना और सुविधा जुटा रहे हैं।

शिव जी का रुद्राभिषेक कर प्रदेश महासचिव संदीप ने शहरवासियों के लिए किए मंगलकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महाशिव रात्रि के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ युवा कॉंग्रेस के प्रदेश महासचिव संदीप वोरा ने शिवनाथ नदी तट पर स्थित दुर्ग शहर के सबसे प्राचीन शिव मंदिर पर शिव जी का रुद्राभिषेक कर बाबा भोले के दर्शन लाभ लेकर समस्त छत्तीसगढ़ प्रदेश व शहरवासीयों के लिए मंगलकामना किए। इस अवसर पर दुर्ग शहर जिला युवा कॉंग्रेस के नेतृत्व में शिवनाथ नदी दुर्ग मे हज़ारों श्रद्धालुओ को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम मे छत्तीसगढ़ वफ़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, सुशील भारद्वाज, हेमंत तिवारी, कुनाल तिवारी, गौरव उमरे, चिराग शर्मा, रत्न दीप कसार, पृथ्वी चंद्राकर,अमोल जैन राजा सर्वा, अनिल सोनी, पाशी अली, रफीक खान, नंदु धुव्र उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950